क्रम-संख्या–54(क)

रजिस्टर्ड नं0 एल0 डब्ल्यू/एन0पी0 561
लाइसेन्स नं0 डब्ल्यू0 पी0-41
(लाइसेन्स टू पोस्ट ऐट कन्सेशनल रेंट)

सरकारी गज़ट, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेशीय सरकार द्वारा प्रकाशित

असाधारण

विधायी परिशिष्ट

भाग–4, खण्ड (क)
(सामान्य परिनियम नियम)

प्रयागराज, सोमवार, 28 मार्च, 2022 ई0
(चैत्र 7, 1944 शक संवत्)

कार्यालय, आबकारी आयुक्त, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज

संख्या 16666/दो-प्राविधिक/विन्टनेरी/2021

प्रयागराज, दिनांक : 28 मार्च, 2022 ई0

अधिसूचना

सा0प0नि0–17

उत्तर प्रदेश साधारण खण्ड अधिनियम 1904 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या–1 सन् 1904) की धारा 21 के साथ पठित संयुक्त प्रान्त आबकारी अधिनियम, 1910 (संयुक्त प्रान्त अधिनियम संख्या–4 सन् 1910) की धारा 41 के अधीन शक्तियों का प्रयोग करके, आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश, राज्य सरकार की पूर्व स्वीकृति से, समय–समय पर यथा संशोधित उत्तर प्रदेश गजट अधिसूचना संख्या 7470/दो–931, दिनांक 15 जून, 1961 में यथा प्रकाशित द्राक्षासवनी चलाने के लिये लाइसेंसों से सम्बन्धित नियमावली में संशोधन करने के उद्देश्य से निम्नलिखित नियमावली बनाते हैं :–

उत्तर प्रदेश द्राक्षासवनी (द्वितीय संशोधन) नियमावली, 2022

संक्षिप्त नाम तथा प्रारम्भ

1. (1) यह नियमावली उत्तर प्रदेश द्राक्षासवनी (द्वितीय संशोधन) नियमावली, 2022 कही जायेगी।

(2) यह गजट में प्रकाशित किये जाने के दिनांक से प्रवृत्त होगी।

नियम 2 का संशोधन

2. उत्तर प्रदेश द्राक्षासवनी नियमावली, 1961 जिसे आगे उक्त नियमावली कहा गया है में, नीचे स्तम्भ–1 में दिये गये नियम–2 के स्थान पर स्तम्भ–2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात् :–

स्तम्भ–1 वर्तमान नियम	स्तम्भ–2 एतद्द्वारा प्रतिस्थापित नियम
2. Definitions- In these rules, unless there is anything repugnent in the subject or context-	2. परिभाषायें– जब तक विषय या संदर्भ में कोई बात प्रतिकूल न हो इस नियमावली में–
(a)" Excise Year" means the period from April one to March thirty-one following;	(क) ''आबकारी वर्ष'' का तात्पर्य 01 अप्रैल से प्रारम्भ होकर आगामी 31 मार्च को समाप्त होने वाली अवधि से है;
(b)"Fortification" means the addition of brandy or some neutral spirit to wine or to the must, for preventing wine from turning sour;	(ख) ''फोर्टिफिकेशन'' का तात्पर्य वाइन या मस्ट में, उन्हें खट्टा होने से बचाने के लिये ब्रांडी या कोई उदासीन स्प्रिट मिलाने से है;
(c)"Lees" means the residue left on straining off wine after completion of the process of fermentation;	(ग) ''लीज'' का तात्पर्य किण्वन प्रक्रिया के पूर्ण होने के पश्चात वाइन के निचोड़ने पर बचे अवशेष से है;
(d) “Must” means the juice of crushed grapes as expressed for wine- making before fermentation thereof and includes the juice of pulp of any other fruit for production of wine;	(घ) "मस्ट" का तात्पर्य किण्वन से पूर्व वाइन बनाने के लिये फूलों, सब्जियों, गैर–स्वापक (गैर–मनः प्रभावी) जड़ी बूटियों के रस या गूदों और कुचले अंगूरों के रस अथवा गूदे से है और जिसमें वाइन के उत्पादन के लिए किसी अन्य फल का रस एवं गूदा भी सम्मिलित है।
(e) " Vintner" means a person licensed to work a wine-manufactory;	(ङ) "प्रभारी अधिकारी" का तात्पर्य द्राक्षासवनी में पर्यवेक्षण कार्य के लिए आबकारी आयुक्त द्वारा इस रूप में नियुक्त आबकारी निरीक्षक अथवा सम्बन्धित निवारक सर्किल के प्रभारी आबकारी निरीक्षक से है।
(f) " Vintnery" means a wine-manufactory;	(च) ''द्राक्षासवक'' का तात्पर्य किसी वाइन निर्माणशाला चलाने के लाइसेंस धारक व्यक्ति से है;
(g) “Wine” means the product obtained on alcoholic fermentation of grape juice or pulp or juice of any other fruit, natural or fortified, the alcoholic content whereof does not exceed 42 per cent proof spirit ;	(छ) ''द्राक्षासवनी'' का तात्पर्य किसी वाइन विनिर्माणशाला से है;
(h)" Young Wine" means the fermented unmatured wines product obtained immediately after straining off the lees;	(ज) "वाइन" का तात्पर्य फूलों, सब्जियों, गैर–स्वापक (गैर–मनः प्रभावी), जड़ी बूटियों के रस या गूदे और अंगूर के रस या गूदे या किसी अन्य फल के रस या गूदे के अल्कोहल युक्त किण्वन से प्राप्त उत्पाद जो प्राकृतिक हो अथवा दृढ़ीकृत हो, जिसमें अल्कोहल युक्त अन्तर्वस्तु 24 प्रतिशत (24% वी/वी) से अधिक न हो, से है। वाइन में चीनी मधु और या पानी मिश्रित हो सकता है;
(i) " Officer-in-Charge" means the Excise Inspector appointed as such by the Collector for the purpose of supervising work in a vintnery.	(झ) ''यंग वाइन'' का तात्पर्य लीज के हटाये जाने के तत्काल बाद प्राप्त किण्वित अपरिष्कृत वाइन से है;

नियम 3 का संशोधन

3. उक्त नियमावली में, नीचे स्तम्भ–1 में दिये गये नियम–3 के स्थान पर स्तम्भ–2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात् :–

स्तम्भ–1 वर्तमान नियम	स्तम्भ–2 एतद्द्वारा प्रतिस्थापित नियम
नियम 3. लाइसेन्स के लिए आवेदन पत्र – कोई व्यक्ति जो राज्य में द्राक्षासवनी स्थापित करने के लिये इच्छुक हो, वह उस जिले के जहां द्राक्षासवनी स्थापित करने का प्रस्ताव हो, कलेक्टर के माध्यम से आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश को लाइसेंस के लिये आवेदन–पत्र देगा। प्रपत्र द्राक्षासवनी–3 में आवेदन–पत्र के साथ उस भू–गृहादि का जहां द्राक्षासवनी का निर्माण किया जाय, प्लान और पूरा विवरण होगा। प्लान ट्रेसिंग कपड़े पर माप के अनुसार होगा जिसमें किण्वन तथा संग्रहण पात्रों की संख्या और पूरा विवरण तथा प्रयोग के लिये प्रस्तावित प्रत्येक पात्र की वास्तविक स्थिति तथा विवरण उल्लिखित किये जायेंगे। कलेक्टर ऐसी जांच करने जिसे वह आवश्यक समझे के पश्चात आवेदन–पत्र को अपनी सिफारिशों के साथ आबकारी आयुक्त, उत्तर प्रदेश को अग्रसारित कर देगा।	**3. लाइसेन्स के लिए आवेदन पत्र**– राज्य में द्राक्षासवनी स्थापित करने के लिये इच्छुक कोई भारत का नागरिक जिसकी आयु 21 वर्ष से कम न हो और जिसका कोई अपराधिक इतिहास न हो, भारत में सम्यक रूप से पंजीकृत कोई फर्म अथवा कम्पनी जिसका स्वच्छ कीर्तिमान हो, उस जिले जहां द्राक्षासवनी स्थापित करने का प्रस्ताव हो, के कलेक्टर के माध्यम से आबकारी आयुक्त, उत्तर प्रदेश को लाइसेंस के लिये आवेदन करेगा। प्रपत्र द्राक्षासवनी–3 में आवेदन–पत्र के साथ उस भू–गृहादि का, जहां उत्पादन किया जायेगा, प्लान और पूरा विवरण होगा। उक्त प्लान का ब्लू प्रिन्ट मापमान तक खींचा जायेगा के अनुसार होगा जिसमें किण्वन तथा संग्रहण पात्रों की संख्या और पूरा विवरण तथा प्रयोग के लिये प्रस्तावित प्रत्येक पात्र की वास्तविक स्थिति तथा विवरण चिन्हित किये जायेंगे। कलेक्टर ऐसी जाँच जिसे वह आवश्यक समझें, के पश्चात आवेदन पत्र को अपनी संस्तुतियों के साथ आबकारी आयुक्त, उत्तर प्रदेश को अग्रसारित करेगा।

नियम 4 का संशोधन

4. उक्त नियमावली में, नीचे स्तम्भ–1 में दिये गये नियम–4 के स्थान पर स्तम्भ–2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात् :–

स्तम्भ–1 वर्तमान नियम	स्तम्भ–2 एतद्द्वारा प्रतिस्थापित नियम
नियम 4. लाइसेंस स्वीकृति के पूर्व भू–गृहादि का निरीक्षण– (1) राज्य में वाइन के वास्तविक उपभोग और उसके निर्यात तथा पर्यवेक्षी कर्मचारी वर्ग की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुये प्रपत्र द्राक्षासवनी–3 में लाइसेंस के लिये दिया गया आवेदन–पत्र आबकारी आयुक्त द्वारा स्वीकार या अस्वीकार किया जायेगा।	**4. लाइसेंस स्वीकृति के पूर्व भू–गृहादि का निरीक्षण**– (1) प्रपत्र द्राक्षासवनी–3 में लाइसेंस के लिये आवेदन जिलाधिकारी के माध्यम से आबकारी आयुक्त के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा।
(2) यदि आबकारी आयुक्त का समाधान हो जाय तो वह ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए जिसे राज्य सरकार आरोपित करना उचित समझे द्राक्षासवनी की स्थापना के लिये प्राधिकार देगा और संलग्न प्रपत्र द्राक्षासवनी–1 में लाइसेंस जारी करेगा। ऐसे लाइसेंस के लिये फीस 2500 रूपये (केवल पच्चीस सौ रूपये) होगी जो उस वर्ष या उसके भाग के लिये जिसके निमित्त लाइसेंस दिया जाय अग्रिम रूप से देय होगी।	(2) यदि आबकारी आयुक्त का समाधान हो जाय तो वह ऐसी शर्तो के अधीन रहते हुए जिसे राज्य सरकार आरोपित करना उचित समझे द्राक्षासवनी की स्थापना के लिये प्राधिकार देगा और संलग्न प्रपत्र द्राक्षासवनी–1 में लाइसेंस जारी करेगा। ऐसे लाइसेंस के लिये फीस 2500 रूपये (केवल पच्चीस सौ रूपये) होगी जो उस वर्ष या उसके भाग के लिये जिसके निमित्त लाइसेंस दिया जाय अग्रिम रूप से देय होगी।

स्तम्भ–1 वर्तमान नियम	स्तम्भ–2 एतद्द्वारा प्रतिस्थापित नियम
(3) उपर्युक्त लाइसेंस जारी किये जाने के दिनांक से केवल एक वर्ष की अवधि के लिये विधिमान्य होगा जब तक कि अवधि विशिष्टतया न बढ़ाई जाय और ऐसी अवधि में लाइसेंसधारी द्राक्षासवनी की स्थापना हेतु अपेक्षित भूमि भवन संयंत्र मशीनरी तथा अन्य उपस्कर प्राप्त करने की व्यवस्था करेगा। इस लाइसेंस से वाइन के निर्माण के लिये लाइसेंस दिये जाने के निमित्त कोई अधिकार अथवा विशेषाधिकार प्राप्त न होगा और इसे किसी भी समय लोक हित में विखंडित किया अथवा वापस लिया जा सकेगा। जब लाइसेंस इस प्रकार विखंडित किया जाय या वापस लिया जाय तो क्षति या हानि के लिये कोई प्रतिकर देय न होगा।	(3) उपर्युक्त लाइसेंस जारी किये जाने के दिनांक से केवल एक वर्ष की अवधि के लिये विधिमान्य होगा जब तक कि अवधि विशिष्टतया न बढ़ाई जाय और ऐसी अवधि में लाइसेंसधारी द्राक्षासवनी की स्थापना हेतु अपेक्षित भूमि भवन संयंत्र मशीनरी तथा अन्य उपस्कर प्राप्त करने की व्यवस्था करेगा।

नियम 5 का संशोधन

5. उक्त नियमावली में, नीचे स्तम्भ–1 में दिये गये नियम–5 के स्थान पर स्तम्भ–2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात् :–

स्तम्भ–1 वर्तमान नियम	स्तम्भ–2 एतद्द्वारा प्रतिस्थापित नियम
नियम 5. लाइसेंस स्वीकृति हेतु आवश्यक प्रतिबंध– (1) सिवाय आबकारी आयुक्त के पूर्वानुमोदन से कलेक्टर द्वारा प्रपत्र द्राक्षासवनी–2 में दिये गये लाइसेंन्स के प्राधिकार और उसके निबन्धनों तथा शर्तो के अधीन रहते हुए, न तो किसी वाइन का निर्माण किया जायेगा और कोई व्यक्ति वाइन का निर्माण करने के प्रयोजनार्थ ऐसी किसी सामान, भभका, बर्तन, औजार तथा उपकरण आदि का जो भी हो, न तो प्रयोग करेगा, न उसको अपने पास और न अपने कब्जे में रखेगा।	**5. लाइसेंस मंजूरी हेतु पूर्ववर्ती शर्तें –** (1) सिवाय आबकारी आयुक्त द्वारा प्रपत्र द्राक्षासवनी–2 में दिये गये लाइसेंन्स के प्राधिकार और उसके निबन्धनों तथा शर्तो के अध्यधीन न तो किसी वाइन का निर्माण किया जायेगा और कोई व्यक्ति वाइन का निर्माण करने के प्रयोजनार्थ ऐसी किसी सामान, भभका, बर्तन, औजार तथा उपकरण आदि का जो भी हो, न तो प्रयोग करेगा, न उसको अपने पास और न अपने कब्जे में रखेगा।
(2) उप नियम (1) के अधीन लाइसेंस दिये जाने के लिये आवेदन–पत्र प्रपत्र द्राक्षासवनी–4 में होगा और जो आबकारी आयुक्त को प्रपत्र द्राक्षासवनी–1 में लाइसेंस की विधि मान्यता की अवधि के भीतर प्रस्तुत किया जायगा।	(2) उप नियम (1) के अधीन लाइसेंस दिये जाने के लिये आवेदन–पत्र प्रपत्र द्राक्षासवनी–4 में होगा और जो आबकारी आयुक्त को प्रपत्र द्राक्षासवनी–1 में लाइसेंस की विधि मान्यता की अवधि के भीतर प्रस्तुत किया जायेगा।
(3) प्रपत्र द्राक्षासवनी–2 में लाइसेंस दिये जाने का अनुमोदन करने के पूर्व आबकारी आयुक्त द्वारा प्राधिकृत कोई आबकारी अधिकारी भू–गृहादि, उपकरणों किण्वन तथा संग्रहण पात्रों का निरीक्षण करेगा तथा प्रस्तुत किये गये ब्योरों से उसका मिलान करेगा और यदि ठीक पाया जाय तो प्रमाणित करेगा।	(3) प्रपत्र द्राक्षासवनी–2 में लाइसेंस दिये जाने के पूर्व आबकारी आयुक्त द्वारा प्राधिकृत कोई आबकारी अधिकारी भू–गृहादि, उपकरणों किण्वन तथा संग्रहण पात्रों का निरीक्षण करेगा तथा प्रस्तुत किये गये ब्योरों से उसका मिलान करेगा और यदि ठीक पाया जाय तो प्रमाणित करेगा।
(4) कोई लाइसेंस तब तक नहीं दिया जायगा जब तक कि आवेदक ने–	(4) कोई लाइसेंस तब तक नहीं दिया जायेगा जब तक कि आवेदक ने–
(क) आबकारी आयुक्त का यह समाधान न कर दिया हो कि भवन तथा संयत्र विहित विनियमों के अनुसार बनाये गये है और आग से बचाने के लिये सम्यक उपाय किये गये हैं।	(क) आबकारी आयुक्त का यह समाधान न कर दिया हो कि भवन तथा संयत्र विहित विनियमों के अनुसार बनाये गये हैं और आग से बचाने के लिये सम्यक् उपाय किये गये हैं, और

स्तम्भ–1 वर्तमान नियम	स्तम्भ–2 एतद्द्वारा प्रतिस्थापित नियम
(ख) लाइसेंस की सभी शर्तो को सम्यक रूप से पूरा करने के लिये और ऐसी सभी धनराशियों का भुगतान करने के लिये जो उसके लाइसेंस के उपबन्धों के अधीन उप शुल्क, शास्ति अर्थ–दण्ड तथा कर के रूप में सरकार को देय हो जाय अथवा जिसके लिये द्राक्षासवनी विधि द्वारा अथवा नियमों द्वारा जिसमें विधि का बल हो, या किसी वचन–बंध के अधीन जो उसने किया हो देनदार हो, प्रतिभूति के रूप में 2500 रूपये (केवल पच्चीस सौ रूपये) की धनराशि सरकारी वचन–पत्रों (प्रामिसरी नोट) या समकक्ष बाजार मूल्य की अन्य सरकारी प्रतिभूतियों में जमा किये हैं। वचन–पत्र या अन्य प्रतिभूतियां जमा करते समय, जिले के जिसमें द्राक्षासवनी स्थापित की जाय, कलेक्टर को पदाभिनाम से पृष्ठांकित की जायेगी। द्राक्षासवक को उन पर प्रोद्भूत होने वाला ब्याज जैसे ही वह देय हो लेने की अनुज्ञा दी जायगी।	(ख) प्रतिभूति के रूप में 5000 रूपये (पांच हजार रूपये मात्र) की धनराशि, सावधि जमा रसीद या राष्ट्रीय बचत पत्र के रूप में, आबकारी आयुक्त, उत्तर प्रदेश के पक्ष में गिरवी न रख दिया हो,
(ग) 500 रूपये (केवल पांच सौ रूपये) की लाइसेंस फीस जमा कर दी है जो उस वर्ष या उसके भाग के निमित्त जिसके लिये लाइसेंस दिया जाय अग्रिम रूप से देय होगी।	(ग) आबकारी वर्ष या उसके भाग जिसके लिये लाइसेंस प्रदान किया गया है, हेतु अग्रिम रूप से संदेय 50,000 रूपये (पचास हजार रूपये मात्र) की लाइसेंस फीस जमा न कर दिया हो।

नियम 6 का संशोधन

6. उक्त नियमावली में, नीचे स्तम्भ–1 में दिये गये नियम–6 के स्थान पर स्तम्भ–2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात् :–

स्तम्भ–1 वर्तमान नियम	स्तम्भ–2 एतद्द्वारा प्रतिस्थापित नियम
नियम 6. लाइसेंस स्वीकृत अथवा अस्वीकृत करने की शक्ति– लाइसेंस उस आबकारी वर्ष के लिये जिसके निमित्त वह जारी किया जाय विधिमान्य होगा और उसे प्रतिवर्ष नवीकृत कराया जायगा। आगामी आबकारी वर्ष के निमित्त लाइसेंस के नवीकरण के लिये आवेदन–पत्र प्रति वर्ष कलेक्टर को 28 फरवरी या उसके पूर्व दिया जायगा। यदि संयंत्र या भवन में से किसी में कोई परिवर्तन हो तो नया नक्शा अवश्य प्रस्तुत किया जाना चाहिये। यदि कोई परिवर्तन न हो तो लाइसेंस के नवीकरण के लिये आवेदन–पत्र के साथ प्रभारी अधिकारी का इस आशय का प्रमाण–पत्र संलग्न किया जाना चाहिये कि ऐसे नवीकरण के निमित्त एक वर्ष या उसके भाग के लिये 500 रूपये (केवल पांच सौ रूपये) की लाइसेंस फीस अग्रिम रूप से देय होगी।	**6. लाइसेंस स्वीकृत करने की शक्ति**– लाइसेंस उस आबकारी वर्ष के लिये जिसके निमित्त वह जारी किया जाय विधिमान्य होगा और उसे प्रतिवर्ष नवीकृत कराया जायेगा। आगामी आबकारी वर्ष के निमित्त लाइसेंस के नवीकरण के लिये आवेदन–पत्र प्रति वर्ष आबकारी आयुक्त को 28 फरवरी या उसके पूर्व दिया जायेगा। यदि संयंत्र या भवन में से किसी में कोई परिवर्तन हो तो नया नक्शा अवश्य प्रस्तुत किया जाना चाहिये। यदि कोई परिवर्तन न हो तो लाइसेंस के नवीकरण के लिये आवेदन–पत्र के साथ प्रभारी अधिकारी का इस आशय का प्रमाण–पत्र संलग्न किया जाना चाहिये कि ऐसे नवीकरण के निमित्त एक वर्ष या उसके भाग के लिये 50,000 रूपये (पचास हजार रूपये मात्र) की लाइसेंस फीस अग्रिम रूप से संदेय होगी।

नियम 7 का संशोधन

7. उक्त नियमावली में, नीचे स्तम्भ–1 में दिये गये नियम–7 के स्थान पर स्तम्भ–2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात् :–

स्तम्भ–1 वर्तमान नियम	स्तम्भ–2 एतद्द्वारा प्रतिस्थापित नियम
नियम 7. लाइसेंस दिये जाने या उसके नवीकरण के लिये आवेदन–पत्र देने के समय लाइसेंस–फीस सरकारी कोषागार में जमा की जायेगी और इस प्रकार जमा करने का प्रमाण आवेदनपत्र के साथ कलेक्टर को प्रस्तुत किया जायगा।	7. लाइसेंस दिये जाने या उसके नवीकरण के लिये आवेदन–पत्र देने के समय लाइसेंस–फीस सरकारी कोषागार में ई–भुगतान के माध्यम से जमा की जायेगी और इस प्रकार जमा करने का प्रमाण आवेदन पत्र के साथ आबकारी आयुक्त को प्रस्तुत किया जायेगा।

नियम 8 का संशोधन

8. उक्त नियमावली में, नीचे स्तम्भ–1 में दिये गये नियम–8 के स्थान पर स्तम्भ–2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात् :–

स्तम्भ–1 वर्तमान नियम	स्तम्भ–2 एतद्द्वारा प्रतिस्थापित नियम
Rule 8. Additional licences.-The vintner shall also obtain a bottling licence in Form F.L.3 for bottling of wine produced in his vintnery and a license in Form F.L.-1 or F.L.-2 for wholesale vend for the same.	**8. अतिरिक्त लाइसेन्स**–द्राक्षासवक अपनी द्राक्षासवनी में उत्पादित वाइन को बोतलों में भरने के लिए भी प्रपत्र एफ.एल. 3 में लाइसेन्स प्राप्त करेगा।

नियम 9 का संशोधन

9. उक्त नियमावली में, नीचे स्तम्भ–1 में दिये गये नियम–9 के स्थान पर स्तम्भ–2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात् :–

स्तम्भ–1 वर्तमान नियम	स्तम्भ–2 एतद्द्वारा प्रतिस्थापित नियम
Rule 9. Extablishment charges of permanent staff –	**9. स्थायी कर्मचारियों के अधिष्ठान का व्यय –**
(a) The Excise Commissioner may post to a vintnery such number of Excise peons as in his opinion the needs of the vintner may require.	(1) आबकारी आयुक्त, द्राक्षासवनी में ऐसी श्रेणियों और ऐसी संख्याओं में आबकारी कर्मचारियों, जैसा वह उचित समझे को नियुक्त कर सकता है। यदि आबकारी आयुक्त द्वारा कोई आबकारी स्टाफ नियुक्त नही किया जाता है तो सम्बन्धित निवारक सर्किल का आबकारी निरीक्षक द्राक्षासवनी का प्रभारी होगा।
(b) The pay of the peons, posted to a vintnery under sub-rule (1) shall be borne by the State Government ; Provided the total amount on this account does not exceed ten per cent of the total excise duty realised on the issues of wines from the vintnery to the districts within the State. Where the total amount of the pay of the peons exceeds ten per cent of the total excise duty referred to above, the excess shall be realized from the vintners concerned.	(2) उपनियम (1) के अधीन द्राक्षासवनी में नियुक्त आबकारी स्टाफ का वेतन राज्य सरकार द्वारा वहन किया जायेगा।

नियम 10 का संशोधन

10. उक्त नियमावली में, नीचे स्तम्भ–1 में दिये गये नियम–10 के स्थान पर स्तम्भ–2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात् :–

स्तम्भ–1 वर्तमान नियम	स्तम्भ–2 एतद्द्वारा प्रतिस्थापित नियम
Rule 10. Supply of quarters and office furniture – The vinter shall provide :-	**10. कार्यालय फर्नीचर का पूर्ति कराया जाना** – द्राक्षासवक उपलब्ध करायेगा–
(a) the peons posted at the vintnery under Rule 8, rent-free quarters in the vicinity of the vintnery ; and	(क) हटा दिया गया
(b) the officer-in-charge of the vintnery, necessary accommodation in the vintnery to be used as office by him and suitable office furniture.	**(ख)** प्रभारी अधिकारी को उसके द्वारा कार्यालय प्रयोग हेतु द्राक्षासवनी के अंदर यथोचित फर्नीचर और लेखन सामग्री सहित आवश्यक वास सुविधा।

नियम 11 का संशोधन

11. उक्त नियमावली में, नीचे स्तम्भ–1 में दिये गये नियम–11 के स्थान पर स्तम्भ–2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात् :–

स्तम्भ–1 वर्तमान नियम	स्तम्भ–2 एतद्द्वारा प्रतिस्थापित नियम
Rule 11- Supervising Staff.- The vintnery shall, a week pior to the date on and from which wine is proposed to be manufactured intimate the collector of his intension so to do whereupon the Collector shall depute an Excise Inspector for supervising gthe intial operation of wine manufactured.	**11. पर्यवेक्षणीय कर्मचारी** – वाइन निर्माण की प्रारम्भिक प्रक्रिया प्रभारी अधिकारी को इस आशय की सूचना दिये जाने के पश्चात् सम्पादित की जायेगी। प्रभारी अधिकारी वाइन निर्माण की प्रारम्भिक प्रक्रिया के दौरान द्राक्षासवनी में उपस्थित रह सकता है।

नियम 13 का संशोधन

12. उक्त नियमावली में, नीचे स्तम्भ–1 में दिये गये नियम–13 के स्थान पर स्तम्भ–2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात् :–

स्तम्भ–1 वर्तमान नियम	स्तम्भ–2 एतद्द्वारा प्रतिस्थापित नियम
Rule 13- General outlay of building.-The vintnery building shall have brick walls and a roof of fire-resisting materials. It shall consist of a fermentation room, a bottling room and at least one store room for finished preparations. All the rooms shall be well-ventilated and all the windows shall be securly barred and wire netted with a net of not more than on inch mesh. Every room shall bear on the outside, aboard on which shall be legibly painted, in oil colour, the name of the room. The bottling room and store room for finished preparations shall have but one entrance each and shall be seperately locked by the officer-in-charge and the vintner.	**13. भवन का सामान्य खाका**– द्राक्षासवनी भवन में एक किण्वन कक्ष, एक बोतल भराई कक्ष और तैयार उत्पादों हेतु कम से कम एक भण्डार कक्ष होगा। सभी कक्ष समुचित रूप से हवादार होंगे और सभी खिडकियॉ सुरक्षित रूप से बन्द होने योग्य तथा पर्याप्त रूप से जालीदार होगी। प्रत्येक कक्ष के बाहर एक पट्टिका होगी जिस पर कक्ष का नाम पठनीय रूप से लिखवाया जायेगा। बोतल भराई कक्ष और तैयार उत्पादों के भण्डार कक्ष में लेकिन प्रत्येक के लिए एक प्रवेश द्वार होगा जो द्राक्षासवक द्वारा पृथक–पृथक बंद किये जायेंगे।

नियम 14 का संशोधन

13. उक्त नियमावली में, नीचे स्तम्भ–1 में दिये गये नियम–14 के स्थान पर स्तम्भ–2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात् :–

स्तम्भ–1 वर्तमान नियम	स्तम्भ–2 एतद्द्वारा प्रतिस्थापित नियम
Rule 14. Unauthorised alterations in building or fixtures not be made.-No additions and alterations to the vintnery or to the permanent fixtures therein shall be made without the previous sanction of the Excise Commissioner: Provided that minor additions and alterations urgently required may, on presentation of a fresh plan of the vintnery, be allowed by the Assistant Excise Commissioner concerned subject to the subsequent approval of the Excise Commissioner.	**14. भवन अथवा फिक्सचर में अनधिकृत परिवर्तनों का नहीं किया जाना**– द्राक्षासवनी अथवा इसके स्थाई फिक्सचर में आबकारी आयुक्त की पूर्वानुमति के बिना कोई परिवर्धन और परिवर्तन नहीं किया जायेगा। परन्तु यह कि संबंधित जिला आबकारी अधिकारी द्वारा द्राक्षासवनी का नया नक्शा प्रस्तुत करने पर अति आवश्यक रूप से अपेक्षित लघु परिवर्धनों और परिवर्तनों की अनुमति आबकारी आयुक्त के पश्चातवर्ती अनुमोदन के अधीन दी जा सकती है।

नियम 16 का संशोधन

14. उक्त नियमावली में, नीचे स्तम्भ–1 में दिये गये नियम–16 के स्थान पर स्तम्भ–2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात् :–

स्तम्भ–1 वर्तमान नियम	स्तम्भ–2 एतद्द्वारा प्रतिस्थापित नियम
Rule 16- Twenty four hours notice necessary: Extra charges for overtime work.- (a) The vintner shall not keep the vintnery open for more than eight hours on any working day, or between sunset and sunrise except with the prior permission of the officer-in-charge. (b) The vintner shall give in writing to the officer-in-chjarge at least twenty four housrs' notice of his intesnsion to keep the vintnery open for work beyond the normal eight working hours on any working day or days, stating clearly therin the operation to be carried out. Such a notice shall also be necessary for work to be done on any approved holiday. (c) The vintner shall have to pay such overtime charges for work done on an approved holiday as the Excise Commissioner may prescribe.	**16. निकाल दिया गया।**

नियम 17 का संशोधन

15. उक्त नियमावली में, नीचे स्तम्भ–1 में दिये गये नियम–17 के स्थान पर स्तम्भ–2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात् :–

स्तम्भ–1 वर्तमान नियम	स्तम्भ–2 एतद्द्वारा प्रतिस्थापित नियम
Rule 17-Maintenance of accounts.- The vintner shall maintain a correct account of all the materials used in the manufacture of wine, itemwise, together with the total quantity(in Imperial gallons) of the resultant liquor with its specific gravity taken by means of a glass sccharometer, in a register to be maintained by him, and signed by him which should also be signed by the officer-in-charge.	**17. लेखा का रखा जाना** – द्राक्षासवक, वाइन के निर्माण में मदवार प्रयुक्त पदार्थों के साथ–साथ परिणामिक मदिरा की कुल मात्रा (लीटर में) का शीशे के सेकेरोमीटर अथवा किसी उचित इलेक्ट्रानिक उपकरण द्वारा लिये गये विशिष्ट गुरूत्व के साथ उसके द्वारा पोषित एवं हस्ताक्षरित पंजिका में सही लेखा रखेगा जिसमें प्रभारी अधिकारी द्वारा भी हस्ताक्षर किया जाना चाहिये।

नियम 20 का संशोधन

16. उक्त नियमावली में, नीचे स्तम्भ–1 में दिये गये नियम–20 के स्थान पर स्तम्भ–2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात् :–

स्तम्भ–1 वर्तमान नियम	स्तम्भ–2 एतद्द्वारा प्रतिस्थापित नियम
Rule 20- Finished wine to be sealed by the officer-in-charge – The vintner shall request the Collector to direct the officer-in-charge to be present on the date of the transference of strained liquid to the storage receptacle which should be capable of being properly sealed by the officer-in-charge. The bulk and the final specific gravity of the fermented must shall be recorded after straining by the vintner in the register which will be maintained and signed by him and also by the officer-in-charge.	**20. प्रभारी अधिकारी द्वारा तैयार वाइन को सील किया जाना**– द्राक्षासवक प्रभारी आबकारी अधिकारी को, छने हुए द्रव को संग्रहण–पात्र जो प्रभारी अधिकारी द्वारा उचित तौर से सील किये जाने योग्य होने चाहियें, में स्थानान्तरित करने के, दिनांक के बारे में सूचना देगा। छाने जाने के पश्चात किण्वित मस्ट का आयतन तथा अन्तिम विशिष्ठ गुरूत्व द्राक्षासवक द्वारा अनुरक्षित रजिस्टर में अभिलिखित किया जायेगा जो उसके द्वारा और प्रभारी अधिकारी द्वारा भी हस्ताक्षरित किया जायेगा।

नियम 21 का संशोधन

17. उक्त नियमावली में, नीचे स्तम्भ–1 में दिये गये नियम–21 के स्थान पर स्तम्भ–2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात् :–

स्तम्भ–1 वर्तमान नियम	स्तम्भ–2 एतद्द्वारा प्रतिस्थापित नियम
Rule 21. Power of Excise Commissioner to fix alcoholic strength discretionary – The Excise Commissioner may if he deems it necessary, fix normal alcoholic strengths and allowable margins for the wines to be manufactured.	**21. अल्कोहल की तीव्रता का निर्धारण आबकारी आयुक्त का विवेकाधीन अधिकार की शक्ति**– वाइन में किसी अल्कोहल को मिश्रित किये बिना अल्कोहल प्रतिशत की सीमा 12 से 24 प्रतिशत वी/वी के बीच होगी। यदि कोई द्राक्षासवक उपरोल्लिखित सीमा से अधिक अथवा कम तीव्रता की वाइन का निर्माण करना चाहता है तो वह आबकारी आयुक्त से विशेष अनुमति प्राप्त करेगा।

नियम 22 का संशोधन

18. उक्त नियमावली में, नीचे स्तम्भ–1 में दिये गये नियम–22 के स्थान पर स्तम्भ–2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात् :–

स्तम्भ–1 वर्तमान नियम	स्तम्भ–2 एतद्द्वारा प्रतिस्थापित नियम
Rule 22-Samples for analysis-The officer-in-charge shall take two samples of the young wine in quart bottles in the presence of the vinter or his agent and after duly sealing the same deposit one with the Collector and send the other to the Cemical Examiner to the Government, Uttar Pradesh, Agra, for reports as to its real alcoholic strength, and as to wheter the wine is sparkling or of the other variety. The vinter shall pay the packing charges, freight and the examination fee of the samples sent to the Chemical Examiner.	**22. विश्लेषण हेतु नमूने**–प्रभारी अधिकारी, द्राक्षासवक या उसके अभिकर्ता की उपस्थिति में क्वार्ट बोतलों में यंग वाइन के दो नमूने लेगा और उन्हें सम्यक् रूप से सील करने के पश्चात् एक सम्बन्धित जिला आबकारी अधिकारी के पास जमा करेगा और दूसरे को उसकी वास्तविक अल्कोहलीय सान्द्रता, पेय होने की योग्यता और वाइन के चमकीली या अन्य प्रकार की होने, के सम्बन्ध में रिपोर्ट के लिए सम्बन्धित आबकारी प्रयोगशाला को भेजेगा। आबकारी प्रयोगशाला को भेजे गये नमूनों का पैकिंग व्यय, किराया तथा परीक्षण शुल्क द्राक्षासवक भुगतान करेगा। द्राक्षासवक अपनी प्रयोगशाला में परीक्षण हेतु नमूना आहरित कर सकता है। परन्तु यह कि यदि प्रयोगशाला से, यंग वाइन का नमूना का रसीद प्राप्त कराये जाने के 7 दिन के अंदर परीक्षण रिपोर्ट नही प्राप्त होती है तो नमूने को अनुमोदित समझा जायेगा। परन्तु यह और कि द्राक्षासवनी संचालन आरंभ करने के वर्ष से 5 वर्षों के लिए रासायनिक परीक्षण हेतु शुल्क द्राक्षासवक से उद्गृहीत नही किया जायेगा।

नियम 23 का संशोधन

19. उक्त नियमावली में, नीचे स्तम्भ–1 में दिये गये नियम–23 के स्थान पर स्तम्भ–2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात् :–

स्तम्भ–1 वर्तमान नियम	स्तम्भ–2 एतद्द्वारा प्रतिस्थापित नियम
Rule 23- Wine to be released on being certified be the Chemical Examiner and after payment of duty – The young wine shall remain in a receptacle, sealed by the officer-in-charge and shall be released after the Chemical Examiner's report is received and the duty on the sealed wine is deposited in the headquarters treasury. The amount of duty deposited together with the number and the date of treasuty challan shall be recorded, under the signatures of the Inspector together with the date of release of the wine.	**23. आबकारी प्रयोगशाला द्वारा प्रमाणित किये जाने तथा प्रतिफल शुल्क के भुगतान के पश्चात वाइन का मुक्त किया जाना**– यंग वाइन, प्रभारी अधिकारी द्वारा सील किये गये पात्र में रहेगी और सम्बन्धित आबकारी प्रयोगशाला की रिपोर्ट प्राप्त होने अथवा प्रयोगशाला में नमूना प्राप्त कराये जाने के 7 दिन पश्चात, जो भी पहले हो, सील हुई वाइन पर समय–समय पर राज्य सरकार द्वारा यथा विहित प्रतिफल शुल्क कोषागार में ई–भुगतान के माध्यम से जमा होने पर मुक्त कर दी जायेगी। कोषागार चालान की संख्या तथा दिनांक के साथ–साथ जमा की गयी प्रतिफल शुल्क की धनराशि वाइन को मुक्त किये जाने के दिनांक के साथ–साथ प्रभारी अधिकारी के हस्ताक्षर के अधीन अभिलिखित की जायेगी।

नियम 24 का संशोधन

20. उक्त नियमावली में, नीचे स्तम्भ–1 में दिये गये नियम–24 के स्थान पर स्तम्भ–2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात् :–

स्तम्भ–1 वर्तमान नियम	स्तम्भ–2 एतद्द्वारा प्रतिस्थापित नियम
Rule 24- Rates of duty – Duty on the quantity of wine to be released shall be pqyable at the rates given against item 6 of Appendix B-II of Volume II of the Excise Manual. The quantity of the wine to be released at one time shall not be less than 5 Imperial gallons. If duty-paid brandy or any neutral spirit is added for the purpose of fortification of young wine the duty is to be levied on the bulk of the wine before such addition.	**24. प्रतिफल शुल्क की दरें** – मुक्त की जाने वाली वाइन की मात्रा पर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा समय–समय पर अधिसूचित दरों पर प्रतिफल शुल्क तथा अथवा किसी अन्य प्रकार का प्रतिफल शुल्क संदेय होगा। परन्तु उत्तर प्रदेश राज्य में उगाये एवं उत्पादित किये गये फूलों, सब्जियों, जड़ी बूटियों जो स्वापक एवं मनः प्रभावी न हों, का प्रयोग करते हुये वाइन निर्माण के लिए द्राक्षासवक से द्राक्षासवनी का संचालन प्रारम्भ होने के वर्ष से पांच वर्षों तक कोई प्रतिफल शुल्क प्रभारित नही किया जायेगा। परन्तु यह और कि प्रदेश में कोई प्राकृतिक आपदा जैसे सूखा बाढ़ अथवा अन्य कोई प्राकृतिक आपदा कच्चे माल की फसल को कुप्रभावित करते हुये घटित होने पर सम्बन्धित जिले जहां पर द्राक्षासवनी स्थापित है के जिला कलेक्टर की रिपोर्ट के आधार पर अन्य राज्यों से फूलों, सब्जियों, जड़ी बूटियों जो स्वापक एवं मनः प्रभावी न हों, अंगूर और अन्य फलों का अन्य राज्यों से द्राक्षासवक आयात/ क्रय कर सकता है। परन्तु यह भी कि यदि प्रतिफल शुल्क संदत्त ब्रांडी या कोई उदासीन स्पिरिट, यंग वाइन को संवर्धित करने के लिए मिलाई जाती है तो प्रतिफल शुल्क की छूट लागू नहीं होगी।

नियम 25 का संशोधन

21. उक्त नियमावली में, नीचे स्तम्भ–1 में दिये गये नियम–25 के स्थान पर स्तम्भ–2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात् :–

स्तम्भ–1 वर्तमान नियम	स्तम्भ–2 एतद्द्वारा प्रतिस्थापित नियम
Rule 25- Sale to be made under F.L.1 or F.L.2 licence only – the vintner may sell his duty paid wine to wholesale vendors in the State under F.L.1 or F.L.2 licences or to retain vendors (including F.L.15) under F.L.2 licence. All such sales shall be covered by a pass in Form F.L.36 issued by the vintner.	**25. वाइन का क्रय और विक्रय**– (1) द्राक्षासवक द्वारा केवल बोतलों में भरी हुयी वाइन का विक्रय किया जायेगा। बोतलों में भरी हुयी किसी वाइन का विक्रय तब तक नही किया जायेगा जब तक कि आबकारी आयुक्त द्वारा इसका अधिकतम फुटकर मूल्य अनुमोदित न कर दिया जाय। द्राक्षासवक बोतलों में भरी हुयी वाइन का विक्रय राज्य के थोक विक्रेताओं जैसा कि उत्तर प्रदेश में राज्य सरकार द्वारा विहित किया जाय, को समस्त लागू शुल्क जमा करने के पश्चात् कर सकता है। ऐसे समस्त विक्रय द्राक्षासवक द्वारा वि0म0 36 प्रपत्र में जारी किये गये पास से आच्छादित होंगेः

स्तम्भ–1 वर्तमान नियम	स्तम्भ–2 एतद्द्वारा प्रतिस्थापित नियम
	परन्तु यह कि द्राक्षासवक उत्तर प्रदेश के बाहर के व्यापारियों जो सम्बन्धित राज्य अथवा संघ राज्य क्षेत्र के आबकारी विभाग से निर्गत विधिमान्य आयात परमिट के धारक हों, को समय–समय पर यथा संशोधित सुसंगत नियमों के अनुसार अपनी वाइन का निर्यात कर सकता है: परन्तु यह और कि द्राक्षासवक अपने द्राक्षासवनी परिसर में आबकारी वर्ष या उसके भाग हेतु जिसके लिये लाइसेंस विहित सीमा के अधीन दिया गया है, अग्रिम रूप से संदेय 50,000 रूपये (पचास हजार रूपये मात्र) की लाइसेंस फीस जमा करने के पश्चात वाइन की फुटकर बिक्री कर सकता है। भू–गृहादि पर विक्रीत वाइन के उपभोग की अनुमति द्राक्षासवक द्वारा दी जा सकेगी। द्राक्षासवनी में वाइन टैवर्न की स्थापना भी की जा सकती है जिसके लिये अग्रिम रूप से संदेय फीस 2500 रूपये (पच्चीस सौ रूपये मात्र) जमा की गयी हो जो उस आबकारी वर्ष या उसके भाग के लिये जिसके निमित्त अनुमति दी जाय जहां पर वाइन प्रेमी वाइन का स्वाद ले सकते है: परन्तु यह भी कि कोई द्राक्षासवक द्राक्षासवनी परिसर में कोई होटल नही खोल सकता है और यदि द्राक्षासवक द्राक्षासवनी परिसर के सन्निकट कोई होटल/ रेस्तरां खोलता है तो वह अपने उत्पाद को उपभोक्ताओं को नियमित बार लाइसेंस प्राप्त किये जाने के पश्चात् ही बिक्री कर सकता है। (2) मिश्रण के उद्देश्य से लकड़ी अथवा स्टेनलेस स्टील के पीपो में बल्क वाइन का राज्य के अंदर अंतर्द्राक्षासवनी स्थानान्तरण (विक्रय एवं क्रय) की अनुमति आबकारी आयुक्त द्वारा प्रदान की जा सकती है। बल्क वाइन का ऐसा प्रत्येक प्रेषण पी.डी.–25 पास के अधीन होगा।

नियम 26 का संशोधन

22. उक्त नियमावली में, नीचे स्तम्भ–1 में दिये गये नियम–26 के स्थान पर स्तम्भ–2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात् :–

स्तम्भ–1 वर्तमान नियम	स्तम्भ–2 एतद्द्वारा प्रतिस्थापित नियम
Rule 26- Export to be made in accordance with the condition of licences in Form F.L. 1 or F.L. 2- Duty-paid wint may be exported by the vintner from his wholesale licensed premises(F.L. 1 or F.L. 2) to other States or Union territories in India. Such exports shall be covered by a pass in Form F.L.23 issued by the vintner.	**26. निकाल दिया गया।**

नियम 28 का संशोधन

23. उक्त नियमावली में, नीचे स्तम्भ–1 में दिये गये नियम–28 के स्थान पर स्तम्भ–2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात् :–

स्तम्भ–1 वर्तमान नियम	स्तम्भ–2 एतद्द्वारा प्रतिस्थापित नियम
Rule 28- Bottling to be done under F.L. 3- Bottling of wine shall be carried on the wholesale premises of the vintner in accordance with the provisions of paragraph 645 of the Excise Mannual and conditions of licence in Form F.L.3	**28. बोतलों में भराई एफ.एल. 3 के अधीन किया जाना** – द्राक्षासवनी के परिसर में स्थित अलग कक्ष में वाइन की बोतलों में भराई, समय–समय पर यथासंशोधित उत्तर प्रदेश विदेशी मदिरा बोतलों में भरने की नियमावली, 1969 के अधीन आबकारी आयुक्त द्वारा स्वीकृत एफ.एल.3 लाइसेंस के अधीन की जायेगीः परन्तु यह और कि आबकारी आयुक्त जैसा उचित समझें, द्राक्षासवक के पक्ष में स्वीकृत किये गये एफ0एल0 3 लाइसेंस की शर्तों में शिथिलता प्रदान कर सकते हैं।

नियम 29 का संशोधन

24. उक्त नियमावली में, नीचे स्तम्भ–1 में दिये गये नियम–29 के स्थान पर स्तम्भ–2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात् :–

स्तम्भ–1 वर्तमान नियम	स्तम्भ–2 एतद्द्वारा प्रतिस्थापित नियम
Rule 29- Bottling account to be maintained.- The vintner shall maintain accounts of such bottling operations in the form prescribed inder condition no. 7 of the licnece in Form F.L.3.	**29. बोतल भराई का लेखा रखा जाना**– द्राक्षासवक बोतलों में भराई की ऐसी प्रक्रियाओं का लेखा समय–समय पर यथासंशेधित उत्तर प्रदेश विदेशी मदिरा बोतलों में भरने की नियमावली, 1969 के अधीन विहित प्रपत्र में रखेगा।

नियम 30 का संशोधन

25. उक्त नियमावली में, नीचे स्तम्भ–1 में दिये गये नियम–30 के स्थान पर स्तम्भ–2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात् :–

स्तम्भ–1 वर्तमान नियम	स्तम्भ–2 एतद्द्वारा प्रतिस्थापित नियम
Rule 30- Labelling of wine – The vintner shall not give any name to his wine which may give rise to any ambiguity or trade objection. He shall note on the labels of the containers of the wine "Made in India" and the name of his firm, the place of manufacture and the base from which the wine is manufactured	**30. वाइन पर लेबिल लगाया जाना** – द्राक्षासवक द्वारा किसी भी वाइन की फुटकर अथवा थोक बिक्री अथवा निर्यात बिना आबकारी आयुक्त से इसके ब्राण्ड एवं लेबिल का अनुमोदन प्राप्त किये, नही की जायेगीः परन्तु यह कि ब्राण्ड एवं लेबिल अनुमोदन आवेदन पत्र तभी विचारित किया जायेगा जब ई–भुगतान के माध्यम से इसकी विहित फीस कोषागार में जमा कर दी गयी हो।

नियम 31 का संशोधन

26. उक्त नियमावली में, नीचे स्तम्भ–1 में दिये गये नियम–31 के स्थान पर स्तम्भ–2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात् :–

स्तम्भ–1 वर्तमान नियम	स्तम्भ–2 एतद्द्वारा प्रतिस्थापित नियम
Rule 31- Liability of vintner for loss.- The vintner shall be held strictly responsible for the safe custody and accounting of all alcoholic liquid under fermentation or other processs of manufacture, and of the finished wine at the licensed premises. He shall be liable to pay double the amount of duty on any loss or discrepancy in accounts which he is unable to explain any may be held further liable to penalty not exceeding Rs. 500 at the discretion of the Excise Commissioner. *N.B.-The licensee shall maintain a daily accurate account of all transactions (including bottling) of the finished and unfinished wine.*	**31. क्षति के लिए द्राक्षासवक का दायित्व**– द्राक्षासवक को लाइसेंस परिसर में किण्वन या अन्य निर्माण की प्रक्रिया के अन्तर्गत समस्त अल्कोहलीय द्रव तथा तैयार वाइन की सुरक्षित अभिरक्षा एवं लेखा के लिये कठोरता से उत्तरदायी माना जायेगा। वह वाइन की क्षति पर आबकारी आयुक्त के विवेकानुसार एक लाख रूपये से अनधिक की शास्ति सहित देय शुल्क का भागी होगा। लाइसेन्सी तैयार तथा गैर तैयार वाइन के समस्त अंतरणों (बोतल भराई को सम्मिलित करते हुए) का सही दैनिक लेखा रखेगा।

नियम 34 का संशोधन

27. उक्त नियमावली में, नीचे स्तम्भ–1 में दिये गये नियम–34 के स्थान पर स्तम्भ–2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात् :–

स्तम्भ–1 वर्तमान नियम	स्तम्भ–2 एतद्द्वारा प्रतिस्थापित नियम
Rule 34- Only authorised persons to be allowed in the premises – The names of all persons engaged in the manufacture and disposal of wine shall be duly endorsed on the licence, on approval of the Collector.	**34. केवल अधिकृत व्यक्तियों को परिसर में अनुमति दिया जाना**– वाइन के विनिर्माण तथा निस्तारण में लगे हुये समस्त व्यक्तियों के नाम लाइसेन्स पर जिला आबकारी अधिकारी के अनुमोदन से उचित रूप से पृष्ठांकित किये जायेंगेः परन्तु यह कि द्राक्षासवनी के कर्मचारियों के कड़े पर्यवेक्षण के अधीन आगंतुकों को अनुमति होगी। एक पंजी भी रखा जायेगा जिसमें आगंतुकों का नाम, पता और मोबाइल नम्बर द्राक्षासवक द्वारा एक पंजिका में अभिलिखित किया जायेगा।

प्रपत्र द्राक्षासवनी–1, द्राक्षासवनी–2, द्राक्षासवनी–3 और द्राक्षासवनी–4 का संशोधन

28. उक्त नियमावली में, नीचे स्तम्भ–1 में दिये गये द्राक्षासवनी–1 और द्राक्षासवनी–2, द्राक्षासवनी–3 और द्राक्षासवनी–4 के स्थान पर स्तम्भ–2 में दिया गया प्रपत्र रख दिये जायेंगे, अर्थात् :–

स्तम्भ–1 विद्यमान प्रपत्र	स्तम्भ–2 एतद्द्वारा प्रतिस्थापित प्रपत्र
प्रपत्र द्राक्षासवनी–1	**प्रपत्र द्राक्षासवनी–1**
(नियम 4(2) देखिये)	(नियम 4(2) देखिये)
द्राक्षासवनी स्थापित करने के लिये लाइसेंस	द्राक्षासवनी स्थापित करने के लिये लाइसेंस
लाइसेंसधारी/लाइसेंसधारियों के नाम.....	लाइसेंसधारी/लाइसेंसधारियों के नाम.....
श्री–––––––––––– निवासी/निवासियों ––––––––––––––को 2,500 रूपये (केवल दो हजार पांच सौ रूपये) की लाइसेंस फीस का भुगतान करने पर उत्तर प्रदेश विन्टनरी रूल्स, 1961 में अंतर्विष्ट उपबन्धों तथा ऐसे अन्य नियमों के अधीन रहते हुये, जिन्हें आबकारी राजस्व को सुरक्षित करने तथा वाइन के निर्माण को विनियमित करने के लिये आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश द्वारा समय–समय पर बनाया जाय, ... जिले में.....पर द्राक्षासवनी की स्थापना तथा उसका निर्माण करने के लिये उसको/उनको प्राधिकृत करते हुए एतद्द्वारा लाइसेंस दिया जाता है। इसके पूर्व वर्णित किन्हीं नियमों या नीचे विनिर्दिष्ट किन्हीं शर्तों का व्यतिक्रम करने पर ऐसी अन्य शास्तियों के, जिन्हें संयुक्त प्रान्त आबकारी अधिनियम,1910 के अधीन विहित किया जाय, अतिरिक्त लाइसेंस समपहृत किया जायेगा।	श्री/श्रीमती/कुमारी––––––––––निवासी–– ––––––––––– को––––––––––(फर्म/कम्पनी इत्यादि का नाम) के लिये उत्तर प्रदेश द्राक्षासवनी नियमावली, 1961 (यथा संशोधित) में निहित उपबंधो तथा ऐसे अन्य नियमों जिन्हें आबकारी राजस्व को सुरक्षित करने तथा वाइन के विनिर्माण को विनियमित करने के लिये आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश द्वारा समय–समय पर बनाया जाय, के अधीन रहते हुये जिला ..... में .....(स्थान का नाम)..... ..... पर द्राक्षासवनी की स्थापना तथा उसका निर्माण करने के लिये उसको/उनको प्राधिकृत करते हुए एतद्द्वारा लाइसेंस स्वीकृत किया जाता है। पूर्वोक्त नियमों में से किसी या नीचे विनिर्दिष्ट किन्हीं शर्तों का उल्लंघन, लाइसेंस के निरस्तीकरण और प्रतिभूति की जब्ती के साथ ऐसी अन्य शास्तियों को जिन्हें संयुक्त प्रान्त आबकारी अधिनियम,1910 के अधीन विहित किया जाय आकर्षित करेगा।
लाइसेंस.....(इस लाइसेंस के जारी होने के दिनांक) से एक वर्ष की अवधि के लिये विधिमान्य होगा।	यह लाइसेंस, लाइसेंस के जारी होने के दिनांक से एक वर्ष की अवधि के लिये विधिमान्य होगा।
द्राक्षासवक इस लाइसेंस की अवधि समाप्त होने के कम के कम तीस दिन पूर्व उसकी अवधि बढ़ाने के लिये आबकारी आयुक्त को आवेदन करेगा।	द्राक्षासवक इस लाइसेंस की अवधि समाप्त होने के कम के कम तीस दिन पूर्व लाइसेंस की अवधि बढ़ाने के लिये आबकारी आयुक्त को आवेदन करेगा।
शर्तें	**शर्तें**
1. आबकारी आयुक्त , उत्तर प्रदेश द्वारा निर्धारित तथा अनुमोदित विशिश्टियों के अनुसार तथा उत्तर प्रदेश विन्टनरी रूल्स, 1961 के नियम 13 के उपबन्धों के अधीन रहते हुये द्राक्षासवनी भवन की दीवाल, ईंट और उसकी छत अग्निरोधी पदार्थ की बनी	1. द्राक्षासवनी भवन में कमरे इत्यादि उत्तर प्रदेश द्राक्षासवनी नियमावली, 1961 के नियम 13 के उपबन्धों के अधीन तथा आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश द्वारा विनिर्दिष्ट तथा अनुमोदित विशिश्टियों के अनुसार होंगे और उसके पूर्वानुमोदन के बिना भवन या स्थाई

होंगी तथा उसमें कमरे इत्यादि होंगे। उसके पूर्वानुमोदन के बिना भवन या फिक्सचर में कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

2. द्राक्षासवक द्राक्षासवनी में सम्यक रूप से संख्यांकित ऐसे पात्र लगायेगा तथा उनका अनुरक्षण करेगा जो वाइन के निर्माण आदि के लिये आबकारी आयुक्त द्वारा विहित विशिश्टियों के अनुसार हों।

इलाहाबाद

दिनांक———————

आबकारी आयुक्त
उत्तर प्रदेश।

प्रपत्र द्राक्षासवनी–2

(नियम 5(1) देखिये)

लाइसेंस प्राप्त द्राक्षासवनी में वाइन का निर्माण करने के लिये लाइसेंस

लाइसेंसधारी/लाइसेंसधारियों के नाम.....

श्री———————————निवासी/निवासियों ————————————————————को, 500 रूपये (केवल पांच सौ रूपये) की लाइसेंस फीस का भुगतान करने पर, उत्तर प्रदेश विन्टनरी रूल्स, 1961में अन्तर्विष्ट उपबन्धों तथा ऐसे अन्य नियमों के अधीन रहते हुये जिन्हें आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश द्वारा समय–समय पर आबकारी राजस्व को सुनिशचित करने तथा वाइन के निर्माण, बिक्री, सम्पूर्ति तथा मूल्य को विनियमित करने के लिये बनाया जाय, (1) ———————— में स्थित भू–गृहादि में वाइन का निर्माण करने तथा (2) वाइन का निर्माण करने के प्रयोजनार्थ आबकारी आयुक्त, उत्तर प्रदेश द्वारा पहले पहले अनुमोदित किसी पदार्थ भभका, पात्र, औजार या उपकरण का प्रयोग करने, उन्हें अपने पास या कब्जे में रखने के लिये उसको/उनको प्राधिकृत करते हुए एतद्द्वारा लाइसेंस दिया जाता है। इसके पूर्व वर्णित किन्हीं नियमों या नीचे निर्दिष्ट किन्हीं शर्तों का व्यतिक्रम करने पर ऐसी अन्य शास्तियों के जिन्हें संयुक्त प्रान्त आबकारी अधिनियम,1910 के अधीन विहित किया जाय, अतिरक्त लाइसेंस समपहृत किया जायेगा।

यह लाइसेंस आबकारी वर्ष ————————के लिये विधिमान्य होगा।

द्राक्षासवक आगामी आबकारी वर्ष के निमित्त अपने लाइसेंस के नवीकरण के लिये आवेदन पत्र प्रति वर्ष 28 फरवरी या उसके पूर्व कलेक्टर को देगा।

संयोजनों में कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

2– द्राक्षासवक द्राक्षासवनी में सम्यक रूप से संख्यांकित ऐसे पात्र स्थापित एवं अनुरक्षित करेगा जो वाइन के विनिर्माण आदि के लिये आबकारी आयुक्त द्वारा विहित विशिश्टियों के अनुसार हों।

प्रयागराज

दिनांक——————————

आबकारी आयुक्त
उत्तर प्रदेश।

प्रपत्र द्राक्षासवनी–2

(नियम 5(1) देखिये)

द्राक्षासवनी में वाइन के विनिर्माण का लाइसेंस

लाइसेंसधारी/लाइसेंसधारियों के नाम.....

उत्तर प्रदेश द्राक्षासवनी नियमावली, 1961(यथा संशोधित) में अन्तर्विष्ट उपबन्धों तथा ऐसे अन्य नियमों जिन्हें आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश द्वारा समय–समय पर आबकारी राजस्व को सुरक्षित करने तथा वाइन के विनिर्माण को विनियमित करने के लिये बनाया जाय, के अधीन श्री/श्रीमती/कुमारी———————————————— निवासी————————— को.....(फर्म/कम्पनी इत्यादि का नाम) के लिये (1) जिला ———————————— में .... स्थित भू–गृहादि में वाइन का विनिर्माण करने तथा (2) वाइन विनिर्माण के प्रयोजनार्थ आबकारी आयुक्त, उत्तर प्रदेश द्वारा पूर्व अनुमोदित किसी पदार्थ भभका, पात्र, औजार या उपकरण जो भी हों का प्रयोग करने, उन्हें अपने पास या कब्जे में रखने के लिये प्राधिकृत करते हुए एतद्द्वारा लाइसेंस स्वीकृत किया जाता है। पूर्वोक्त नियमों में से किसी या नीचे विनिर्दिष्ट किन्हीं शर्तों का उल्लघंन, लाइसेंस के निरस्तीकरण और प्रतिभूति की जब्ती के साथ ऐसी अन्य शास्तियों को जिन्हें संयुक्त प्रान्त आबकारी अधिनियम,1910 के अधीन विहित किया जाय आकर्षित करेगा।

यह लाइसेंस चालू आबकारी वर्ष ———के लिये विधिमान्य होगा।

प्रत्येक वर्ष 28 फरवरी या उसके पूर्व आगामी आबकारी वर्ष हेतु अपने लाइसेंस के नवीकरण के लिये द्राक्षासवक आबकारी आयुक्त को आवेदन करेगा।

शर्तें

1. द्राक्षासवक वाइन के निर्माण के लिये केवल ऐसे पदार्थों का प्रयोग करेगा जो आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश द्वारा पहले से अनुमोदित हों तथा द्राक्षासवनी में सम्यक रूप् से संख्याकित ऐसे पात्र रखेगा जो वाइन के निर्माण आदि के लिये आबकारी आयुक्त द्वारा विहित विशिषटियों के अनुसार हों।

2. द्राक्षासवक संगत नियमों तथा लाइसेंस की ऐसी शर्तो को सम्यक रूप से पूरा करने लिये सरकारी वचन–पत्रों या समकक्ष बाजार मूल्य के सरकारी प्रतिभूतियों में 2,500 रूपये (केवल पच्चीस सौ रूपये) की धनराशि प्रतिभूति के रूप में जमा करेगा । वचन–पत्र या अन्य प्रतिभूतियां जिले के कलेक्टर को, उसके पदाभिनाम से, पृष्ठांकित की जायेंगी।

3. किसी चूक या किन्ही शर्तों के उल्लंघन या ऊपर निर्दिष्ट किसी नियम के अननुपालन की दशा में, अंतिम पूर्ववर्ती शर्त के अनुसार जमा की गयी प्रतिभूति जमा राज्य सरकार में निहित हो जायेगी और द्राक्षासवक द्वारा कोई दावा नहीं किया जा सकेगा।

4. द्राक्षासवक आबकारी निरीक्षक या उसके ऊपर की श्रेणी के समस्त आबकारी अधिकारियों को दिन तथा रात में किसी भी समय द्राक्षासवनी का निरीक्षण करने, लेखों और बहियों की जांच करने और परिष्कृत तथा अपरिष्कृत वाइन की माप करने तथा उनके विशिष्ट घनत्व को सुनिश्चित करने के लिये भू–गृहादि का निरीक्षण करने देगा।

5. वाइन के निर्माण तथा उसके निस्तारण में लगे हुये समस्त व्यक्तियों के नाम कलेक्टर के अनुमोदन के पश्चात लाइसेंस पर सम्यक रूप से पृष्ठांकित किये जायेंगे।

जिला ––––––––––––

दिनांक––––––––––––

कलेक्टर,

आबकारी आयुक्त

शर्तें

1– द्राक्षासवक वाइन के विनिर्माण के लिये केवल ऐसे पदार्थों का प्रयोग करेगा जो आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश द्वारा पूर्व से अनुमोदित हों तथा द्राक्षासवनी में सम्यक रूप से संख्यांकित ऐसे पात्रों का अनुरक्षण करेगा जो वाइन के विनिर्माण आदि के लिये आबकारी आयुक्त द्वारा विहित विशिश्टियों के अनुसार हों।

2– किसी चूक या किन्ही शर्तों के उल्लंघन या ऊपर संदर्भित किसी नियम, आदेशों या आबकारी आयुक्त द्वारा निर्गत परिपत्रों की अवहेलना की दशा में प्रतिभूति को जब्त करते हुये और संयुक्त प्रांत आबकारी अधिनियम, 1910(यथासंशोधित) के अंतर्गत विहित अन्य शास्तियों सहित लाइसेंस निरस्त किया जा सकता है।

3. द्राक्षासवक आबकारी निरीक्षक या उसके ऊपर की श्रेणी के समस्त आबकारी अधिकारियों को दिन तथा रात में किसी भी समय द्राक्षासवनी में लेखाओं और बहियों की जांच करने हेतु परिसर का निरीक्षण करने और अंतिमीकृत तथा अनन्तिमीकृत वाइन की माप करने तथा उनके विशिष्ट गुरूत्व का विनिश्चय करने और बोतलीकृत वाइन के स्टाक का सत्यापन करने की अनुमति देगा।

4. वाइन के विनिर्माण तथा उसके निस्तारण में लगे हुये समस्त व्यक्तियों के नाम जिला आबकारी अधिकारी के अनुमोदन के पश्चात लाइसेंस पर सम्यक रूप से पृष्ठांकित किये जायेंगे।

जिला ––––––––––––

दिनांक––––––––––––

आबकारी आयुक्त
उत्तर प्रदेश

प्रपत्र द्राक्षासवनी–3

(नियम 3 देखिये)

द्राक्षासवनी की स्थापना के लिये आवेदन–पत्र

1. (क) आवेदक का नाम तथा पता

(ख) उपक्रम का नाम तथा पता

(ग) क्या सार्वजनिक प्राइवेट लिमिटेड या स्वामिगत संस्था है ?

2.पूंजी विन्यास :

(क) किसी लिमिटेड कम्पनी की दशा में

(1) प्राधिकृत

(2) निर्गमित

(3)समादत्त

(4)उधार, यदि कोई हो।

(ख) अन्य की दशा में

(1) पूंजी

(2) उधार यदि कोई हो।

(ग) निवेश का विवरण

(1) स्थिर आस्तियां

(1) भूमि रूपया

(2) भवन रूपया

(3) संयंत्र या मशीनरी रूपया

(4) अन्य यदि कोई हो रूपया

योग रूपया

(2) कार्य पूंजी रूपया

3. स्थिति

4. संयंत्र तथा मशीनरी

(1) आयात की जाने वाली या आयातित उद्भव के संयंत्र या मशीनरी का मूल्य रूपया

(2) स्वदेशी उद्भव के संयंत्र तथा मशीनरी का मूल्य रूपया

5. उत्पादन के लिये अपेक्षित कच्चा माल

(i) प्रतिवर्ष आयात किये जाने वाला या आयातित उद्भव के कच्चे माल की मात्रा तथा उसका मूल्य

(ii) प्रतिवर्ष स्वदेशी उद्भभव के कच्चे माल की मात्रा तथा उसका मूल्य

(iii) निर्माण के लिये प्रस्तावित वाइन के निर्माण में प्रतिवर्ष अपेक्षित फलों की मात्रा तथा उसका मूल्य

(iv) क्या सरकार की सहायता के बिना निजी साधनों से फल प्राप्त करने का प्रस्ताव है?

प्रपत्र द्राक्षासवनी–3

(नियम 3 देखिये)

द्राक्षासवनी की स्थापना के लिये आवेदन–पत्र

1.(क) आवेदक/फर्म या कम्पनी का नाम तथा पता

(ख) फर्म/कम्पनी का प्रकार सार्वजनिक/व्यक्तिगत /स्वामिगत संस्था आदि

2. पूंजी विन्यास :

(क) किसी लिमिटेड कम्पनी की दशा में

(एक) प्राधिकृत

(दो) निर्गमित

(तीन) समादत्त

(चार) उधार, यदि कोई हो।

(ख) अन्य की दशा में

(एक) पूंजी

(दो) उधार, यदि कोई हो।

(ग) निवेश का विवरण

(1) स्थिर आस्तियां

(एक) भूमि रूपया

(दो) भवन रूपया

(तीन) संयंत्र या मशीनरी रूपया

(चार) अन्य यदि कोई हो रूपया

योग रूपया

(2) कार्य पूंजी रूपया

3. स्थिति

4. संयंत्र तथा मशीनरी

(एक) आयात की जाने वाली या आयातित स्रोत के संयंत्र या मशीनरी का मूल्य रूपया

(दो) स्वदेशी स्त्रोत के संयंत्र तथा मशीनरी का मूल्य रूपया

5. उत्पादन के लिये अपेक्षित कच्चा माल

(एक)प्रतिवर्ष आयात किये जाने वाला या आयातित स्रोत के कच्चे माल की मात्रा तथा उसका मूल्य

(दो) प्रतिवर्ष स्वदेशी स्त्रोत के कच्चे माल की मात्रा तथा उसका मूल्य

(तीन)विनिर्माण के लिये प्रस्तावित वाइन के विनिर्माण में प्रतिवर्ष अपेक्षित फलों इत्यादि की मात्रा तथा उसका मूल्य

(चार) क्या सरकार की सहायता के बिना निजी साधनों से फल आदि प्राप्त करने का प्रस्ताव है?

6. जल तथा विद्युत की आवश्यकता रू

(i) आवश्यकता का विवरण

(ii) क्या आवश्यक अनुज्ञा प्राप्त कर ली गयी है?

7. प्रक्रिया

(क) निर्माण की संक्षित प्रक्रिया

(ख) निर्माण किये जाने के लिये प्रस्तावित उत्पाद का स्तर तथा उसकी मात्रा

8. तकनीकी सहायता

क्या कोई विदेशी सहयोग या जानकारी परिकल्पित है और यदि ऐसा है तो कितनी विदेशी मुद्रा की आवश्यकता है ?

9. समय का पूर्वानुमान

(क) प्रपत्र द्राक्षासवनी–1 में लाइसेंस जारी किये जाने के पश्चात भूमि, भवन तथा अन्य स्थान प्राप्त करने के लिये अपेक्षित समय

(ख) लाइसेंस को दिये जाने के पश्चात मशीनरी के परिनिर्माण तथा उत्पादन प्रारम्भ करने के लिये अपेक्षित समय

10. निर्माण के मद वार्षिक क्षमता क्षमता मूल्य अनुमानित (मीटरिक माप से) वार्षिक उत्पादन

11. सेवायोजन की सम्भावना रू

(1) पर्यवेक्षी

(2) कुशल

(3) अकुशल

12. (क) सरकार से अपेक्षित कोई विशेष सुविधा

(ख) योजना की विशेष रूप–रेखा,यदि कोई हों।

आवेदक का हस्ताक्षर

दिनांक————————

6. जल तथा विद्युत की आवश्यकता :

(एक) आवश्यकता का विवरण

(दो)क्या आवश्यक अनुज्ञा प्राप्त कर ली गयी है?

7. प्रक्रिया

(क) विनिर्माण की संक्षित प्रक्रिया

(ख) विनिर्माण किये जाने के लिये प्रस्तावित उत्पाद का मानक तथा उसकी मात्रा

8. तकनीकी सहायता

क्या कोई विदेशी सहयोग या जानकारी परिकल्पित है और यदि ऐसा है तो कितनी विदेशी मुद्रा सन्निहित है ?

9. समय का पूर्वानुमान

(क)प्रपत्र द्राक्षासवनी–1 में लाइसेंस जारी किये जाने के पश्चात भूमि, भवन तथा अन्य स्थान प्राप्त करने के लिये अपेक्षित समय

(ख) इस लाइसेंस को दिये जाने के पश्चात मशीनरी के परिनिर्माण तथा उत्पादन प्रारम्भ करने के लिये अपेक्षित समय

10.विनिर्माण के मद वार्षिक क्षमता क्षमता मूल्य अनुमानित (लीटर में) वार्षिक उत्पादन

11. सेवायोजन की सम्भावना :

(एक) पर्यवेक्षणीय

(दो) कुशल

(तीन) अकुशल

12– (क) सरकार से अपेक्षित कोई विशेष सुविधा

(ख) योजना की विशेष तथ्य यदि कोई हों।

आवेदक का हस्ताक्षर

दिनांक————————

प्रपत्र द्राक्षासवनी–4

(नियम 5(2) देखिये)

उत्तर प्रदेश विन्टनरी रूल्स,1961 के नियम 5(1) के अधीन प्रपत्र द्राक्षासवनी–2 में लाइसेंस दिये जाने के लिये आवेदन–पत्र

सेवा में,

आबकारी आयुक्त,

उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।

द्वारा

कलेक्टर

.....।

प्रपत्र द्राक्षासवनी–2 में लाइसेंस दिये जाने के लिये श्री.....निवासी–––––––का आवेदन–पत्र।

1. अधोहस्ताक्षरी––––––––––––––अपने लिये..... ..... की ओर से ..... स्थान, जिला–––––––––––– उत्तर प्रदेश में उत्तर प्रदेश विन्टनरी रूल्स 1961 के नियम ..... के अधीन द्राक्षासवनी चलाने हेतु लाइसेंस के लिये आवेदन करता है।

2. आवेदक निम्नलिखित आकार तथा विवरण का किण्वन पात्र इत्यादि बनाना चाहता है, अर्थात .....

3. लाइसेंस दिये जाने की दशा में आवेदक ––––– पर द्राक्षासवनी में कार्य प्रारम्भ करने का प्रस्ताव करता है।

4. द्राक्षासवनी के रूप में प्रयोग किये जाने तथा वाइन का निर्माण करने के कार्य में सम्बद्ध भण्डागार तथा अन्य प्रयोजनों के लिये, भू–गृहादि तथा भवनों का नक्शा तथा विवरण अनुमोदन के लिये संलग्न है। आवेदक तत्समय प्रवृत्त नियमों के अधीन भवन का परिनिर्माण करने तथा भू–गृहादि और भवनों में ऐसे समस्त आवश्यक संरचनात्मक या अन्य परिवर्तन तथा परिवर्धन करने का वचन देता है जिसके लिये सरकार

प्रपत्र द्राक्षासवनी–4

(नियम 5(2) देखिये)

उत्तर प्रदेश द्राक्षासवनी नियमावली,1961 (यथासंशोधित) के नियम 5(1) के अधीन प्रपत्र द्राक्षासवनी–2 में द्राक्षासवनी चलाने का लाइसेंस स्वीकृत किये जाने के लिये आवेदन–पत्र

सेवा में,

आबकारी आयुक्त,

उत्तर प्रदेश।

द्वारा

कलेक्टर

जिला.....।

प्रपत्र द्राक्षासवनी–2 में लाइसेंस दिये जाने के लिये .....(फर्म/कम्पनी इत्यादि का नाम)..... ..... के लिये द्वारा श्री..... निवासी––––––––––––––––––का आवेदन–पत्र।

1. अधोहस्ताक्षरी––––––––––अपने लिये अथवा..... की ओर से .... जिला––––––––––उत्तर प्रदेश में उत्तर प्रदेश द्राक्षासवनी नियमावली,1961 (यथासंशोधित) के नियम 5(2) के अंतर्गत द्राक्षासवनी चलाने हेतु लाइसेंस के लिये आवेदन करता है।

2. आवेदक, उत्तर प्रदेश आबकारी विभाग द्वारा प्रपत्र द्राक्षासवनी–1 संख्या.....दिनांक..... में प्रदत्त लाइसेंस के अंतर्गत स्थापित किण्वन पात्र इत्यादि चलाना चाहता है।

3. लाइसेंस दिये जाने की दशा में आवेदक ––––––––––––––––––– से द्राक्षासवनी में कार्य प्रारम्भ करने का प्रस्ताव करता है।

4. द्राक्षासवनी के रूप में प्रयोग किये जाने तथा वाइन का विनिर्माण करने के कार्य से संबंधित भण्डागार तथा अन्य प्रयोजनों के लिये, भू–गृहादि तथा भवनों का नक्शा तथा विवरण अनुमोदन के लिये संलग्न है। आवेदक तत्समय प्रवृत्त नियमों के अधीन भवन का परिनिर्माण करने तथा भू–गृहादि और भवनों में ऐसे समस्त आवश्यक संरचनात्मक या अन्य परिवर्तन तथा परिवर्धन करने का वचन देता है जिसके लिये सरकार

समय–समय पर अनुमोदन करे या निदेश दे और जो सभी प्रकार से भू–गृहादि तथा भवनों की मरम्मत तथा दशा दोनों और उनकी सफाई तथा द्राक्षासवनी के प्रयोजनार्थ उपयुक्तता के सम्बन्ध में भू–गृहादि तथा भवनों को समुचित दशा में रखने के लिये आबकारी आयुक्त द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुरूप हों।

5. आवेदक सभी प्रकार से (क) द्राक्षासवनी या उसके कार्य–चालन या उसे कब्जे में रखने के सम्बन्ध में प्रयोज्य द्राक्षासवनी नियमों के उपबन्धों तथा (ख) उन शर्तो का जो आवेदित लाइसेंस में दर्ज की जाय का पालन करने का वचन देता है।

6. नगर पालिका या अन्य स्थानीय प्राधिकारी से इस आशय का एक प्रमाण–पत्र कि उस क्षेत्र में तथा प्रस्तावित भू–गृहादि और भवनों में वाइन का निर्माण करने के कार्य में स्वच्छता के आधार पर कोई आपत्ति नही है संलग्न है।

7. कोई अतिरिक्त नक्शा, अनुमान या सूचना जो अपेक्षित हो शीघ्र दी जायगी।

8. आवेदक लाइसेंस की द्राक्षासवनी नियमावली का प्रत्येक और समस्त आवश्यकताओं का उसके/उनके द्वारा सम्यक रूप से पालन किये जाने के लिये प्रतिभूति के रूप में 2,500 रूपये (केवल पच्चीस सौ रूपये) की धनराशि जमा करने के लिये तैयार तथा इच्छुक है/हैं।

आवेदक के हस्ताक्षर

समय–समय पर अनुमोदन करे या निदेश दे और जो समस्त प्रकार से भू–गृहादि तथा भवनों की मरम्मत तथा दशा दोनों और उनकी सफाई तथा द्राक्षासवनी के प्रयोजनार्थ उपयुक्तता के सम्बन्ध में भू–गृहादि तथा भवनों को समुचित दशा में रखने के लिये आबकारी आयुक्त द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुरूप हों।

5. आवेदक समस्त प्रकार से (क) द्राक्षासवनी या उसके कार्य–चालन या उसे कब्जे में रखने के सम्बन्ध में प्रयोज्य द्राक्षासवनी नियमों के उपबन्धों तथा (ख) उन शर्तो का जो आवेदित लाइसेंस में दर्ज की जाय का पालन करने का वचन देता है।

6. नगर पालिका या अन्य स्थानीय प्राधिकारी से इस आशय का एक प्रमाण–पत्र कि उस क्षेत्र में तथा प्रस्तावित भू–गृहादि और भवनों में वाइन का निर्माण करने के कार्य में स्वच्छता के आधार पर कोई आपत्ति नही है संलग्न है।

7. कोई अग्रतर रूपरेखा, अनुमान या सूचना जो अपेक्षित हो शीघ्र दी जायेगी।

8. आवेदक ने लाइसेंस फीस चालान संख्या..... .....दिनांक.....तथा प्रतिभूति राष्ट्रीय बचत पत्र/सावधि जमा रसीद संख्या.....दिनांक..... .....द्वारा जमा कर दिया गया है। उपरोक्तानुसार वर्णित चालान एवं राष्ट्रीय बचत पत्र/सावधि जमा रसीद की मूल प्रतियां संलग्न हैं।

संलग्नक :– उपरोक्तानुसार।

आवेदक का हस्ताक्षर

दिनांक सहित

आज्ञा से,
सेंथिल पांडियन सी0,
आबकारी आयुक्त,
उत्तर प्रदेश।

OFFICE OF THE EXCISE COMMISSIONER, UTTAR PRADESH, PRAYAGRAJ

No. 16666 /II-Pravidhik/Vintnery/2021

***Prayagraj, dated*: *March* 28, 2022**

NOTIFICATION

In exercise of the powers under section 41 of the United Provinces Excise Act, 1910 (U. P. Act no. IV of 1910) read with section 21 of the Uttar Pradesh General Clauses Act, 1904 (U. P. Act no.1 of 1904), the Excise Commissioner, Uttar Pradesh with the previous sanction of the State Government, makes the

following rules with a view to amending rules regarding licences for working vintnery as published in UP Gazette notification no. 7470/II-931, dated June15, 1961 as amended from time to time.

THE UTTAR PRADESH VINTNERY (SECOND AMENDMENT) RULES, 2022.

Short title and commencement 1. (1) These rules may be called The Uttar PradeshVintnery(Second Amendment) Rules,2022.

(2) They shall come into force with effect from the date of their publication in the Gazette.

Amendment of rule 2 **2.** In the Uttar PradeshVintneryRules, 1961 hereinafter referred to the said rulesfor rule 2 set out in Column-1 below, the rule as set out in Column-2 shall be substituted, namely :-

Column-1 *Existing rule*	Column-2 *Rule as hereby substituted*
2. Definitions- In these rules, unless there is anything repugnent in the subject or context-	2. Definitions- In these rules, unless there is anything repugnent in the subject or context,-
(a)" Excise Year" means the period from April one to March thirty-one following;	(a)" Excise Year" means the period from April one to March thirty-one following;
(b)"Fortification" means the addition of brandy or some neutral spirit to wine or to the must, for preventing wine from turning sour"	(b)"Fortification" means the addition of brandy or some neutral spirit to wine or to the must, for preventing wine from turning sour"
(c)"Lees" means the residue left on straining off wine after completion of the process of fermentation;	(c)"Lees" means the residue left on straining off wine after completion of the process of fermentation;
(d) “Must” means the juice of crushed grapes as expressed for wine- making before fermentation thereof and includes the juice of pulp of any other fruit for production of wine	(d) “Must” means the juice or pulp of flowers, vegetables, non-narcotic (non - psychotropic) herbs and crushed grapes as expressed for wine making before fermentation thereof and includes the juiceor pulp of any other fruit for production of wine;
(e) " Vintner" means a person licensed to work a wine-manufactory;	(e) " Officer-in-Charge" means the Excise Inspector appointed as such by the Excise Commissioner or the Excise Inspector in-charge of the concerned preventive circle for the purpose of supervising work in a vintnery;
(f) " Vintnery" means a wine-manufactory;	(f) " Vintner" means a person licensed to work a wine-manufactory;
(g) “Wine” means the product obtained on alcoholic fermentation of grape juice or pulp or juice of any other fruit, natural or fortified, the alcoholic content whereof does not exceed 42 per cent proof spirit ;	(g) "Vintnery" means a wine-manufactory;

Column-1 *Existing rule*	Column-2 *Rule as hereby substituted*
(h)"Young Wine" means the fermented unmatured wines product obtained immediately after straining off the lees;	(h) "Wine" means the product obtained on alcoholic fermentation of juice or pulp of flowers, vegetables, non-narcotic(non-psychotropic)herbs, grape juice or pulp or juice of any other fruit, natural or fortified, the alcoholic content whereof does not exceed 24 percent by volume(24%v/v). Wine may contain added sugar, honey, and/or water;
(i) "Officer-in-Charge" means the Excise Inspector appointed as such by the Collector for the purpose of supervising work in a vintnery.	(i)" Young Wine" means the fermented unmatured wines product obtained immediately after straining off the lees.

Amendment of rule 3 **3.**In the said rules, for rule 3 set out in Column-1 below, the rule as set out in Column-2 shall be substituted, namely:-

Column-1 *Existing rule*	Column-2 *Rule as hereby substituted*
3. Application for licence- Any person desiring to establish a vintnery in the State shall apply for a licence to the Excise Commissioner, Uttar Pradesh, through the Collector of the district in which the vintnery is proposed to be set up. The application in Form V-3 shall be accompanied by a plan and full description of the premises where the manufacture would be carried on. The plan shall be drawn to the scale on tracing cloth indicating the number and full description of fermenting and storage vessels, and the exact position and description of each vessel proposed to be used. The Collector shall after such enquiry, as he may deem necessary, forward the application with his recommendation, to the Excise Commissioner, Uttar Pradesh.	**3. Application for licence-Any citizen of india not below the age of 21 years having no criminal history whatsoever, firm or company duly registered in India and having clean records,** desiring to establish a vintnery in the State shall apply for a licence to the Excise Commissioner, Uttar Pradesh, through the Collector of the district in which the vintnery is proposed to be set up. The application in Form V-3 shall be accompanied by a plan and full description of the premises where the manufacture would be carried on. The blue print of the said plan shall be drawn to the scale indicating the number and full description of fermenting and storage vessels, and the exact position and description of each vessel proposed to be used. The Collector shall after such enquiry, as he may deem necessary, forward the application with his recommendation, to the Excise Commissioner, Uttar Pradesh.

Amendment of rule 4 **4.–**In the said rules, for rule 4set out in Column-1 below, the rule as set out in Column-2 shall be substituted, namely:-

Column-1 *Existing rule*	Column-2 *Rule as hereby substituted*
4. Inspection of premises before grant of licence-(1) Application for licence in Form V-3 shall be granted or refused by the Excise Commissioner having regard to the actual consumption of wine within the state and its export and availability of supervisory staff.	**4. Inspection of premises before grant of licence- (1)** Application for licence in Form V-3 shall be submitted before the Excise Commissioner through the Collector.
(2) If the Excise Commissioner is satisfied, he shall subject to such conditions as the State Government deem fit to impose, authorise the establishment of a vintnery and issue a licence in the appended Form V-1. The fee for such a licence shall be Rs. 2,500(Rupees Two thousand five hundred only) payable in advance for the year or part thereof for which the licence is granted.	**(2)** If the Excise Commissioner is satisfied, he shall subject to such conditions as the State Government deem fit to impose, authorise the establishment of a vintnery and issue a licence in the appended Form V-1. The fee for such a licence shall be Rs. 2,500(Rupees Two thousand five hundred only) payable in advance for the year or part thereof for which the licence is granted.

Column-1 *Existing rule*	Column-2 *Rule as hereby substituted*
(3) The aforesaid licence shall be valid, unless specifically extended, for a period of one year only from the date of issue within which period the holder thereof shall arrange to secure the land, building, plant, machinery and other equipment required for the establishment of the vintnery. This licence shall not confer any right or privilege for the grant of licence for the manufacture of wine and it is liable to be revoked or withdrawn at any time in the public interest. No compensation fordamage or loss shall be payable when the licence is so revoked or withdrawn.	**(3)** The aforesaid licence shall be valid, unless specifically extended, for a period of one year only from the date of issue within which period the holder thereof shall arrange to secure the land, building, plant, machinery and other equipment required for the establishment of the vintnery.

Amendment of rule5 **5.** In the said rules,for rule 5 set out in Column-1 below, the rule as set out in Column-2 shall be substituted, namely :-

Column-1 *Existing rule*	Column-2 *Rule as hereby substituted*
5. Conditions precedent to sanction of licence.- **(1)** No wine shall be manufactured and no person shall use, keep or have in his possession any material, still, utensil, implement and apparatus whatsoever, for the purpose of manufacturing wine except under the authority and subject to the terms and conditions of a licence granted in Form V-2 by the Collector, with the previous approval of the Excise Commissioner.	**5. Conditions precedent to sanction of licence.-** **(1)** No wine shall be manufactured and no person shall use, keep or have in his possession any material, still, utensil, implement and apparatus whatsoever, for the purpose of manufacturing wine except under the authority and subject to the terms and conditions of a licence granted in Form V-2 by the Excise Commissioner.
(2) An application for the grant of a licence under sub-rule(1) shall be in Form V-4 and shall be submitted to the Excise Commissioner with the period of validity of the licence in Form V-1.	**(2)** An application for the grant of a licence under sub-rule(1) shall be in Form V-4 and shall be submitted to the Excise Commissioner with the period of validity of the licence in Form V-1.
(3) Before according approval to the grant of a licence in Form V-2 an Excise Officer duly authorised by the Excise Commissioner shall inspect the premises, all apparatus and formenting and storage vessels, compare the same with the particulars furnished and certify the same if found to be in order.	**(3) Before grant of a licence** in Form V-2 an Excise Officer duly authorised by the Excise Commissioner shall inspect the premises, all apparatus and fermenting and storage vessels, compare the same with the particulars furnished and certify the same if found to be in order.
(4) No licence shall be granted unless and until the applicant has--	**(4)** No licence shall be granted unless and until the applicant has--
(a) satisfied the Excise Commissioner that the building and the plant have been built in accordance with the prescribed regulation and that due precaution against fire has been taken, and	(a) satisfied the Excise Commissioner that the building and the plant have been built in accordance with the prescribed regulation and that due precaution against fire has been taken, and

Column-1 *Existing rule*	Column-2 *Rule as hereby substituted*
(b) deposited as security a sum of Rs. 2,500 (Rupees two thousand five hundred only) in Government Promissory Notes or other Government securities of equivalent market value, for due fulfilment of all conditions of licence and for the payment of all sums which may become due to Government by way of duties, penalties, fines and taxes under the provisions of his licence or to which the vintner may be liable by law or by rules having the force of law or under any engagement into which he may have entered. The notes or other securities shall, on deposit, be endorsed to the Collector of the district in which the vintner is set up, by designation. The vintner shall be allowed to draw, as it falls due, the interest accruing on them.	(b) deposited as security a sum of Rs.5,000 (Rupees Fivethousand only) in the form of Fixed Deposit Receipt or National Saving Certificate pledged in favor of Excise Commissioner Uttar Pradesh.
(c) deposited a licence fee of Rs. 500 (Rupees five hundred only) payable in advance for the year or part thereof for which the licence is granted.	(c) deposited a licence fee of **Rs. 50,000 (Rupees Fifty thousand only)** payable in advance for the Excise Year or part thereof for which the licence is granted.

Amendment of rule 6 **6.**In the said rules,for rule 6 set out in Column-1 below, the rule as set out in Column-2 shall be substituted, namely :-

Column-1 *Existing rule*	Column-2 *Rule as hereby substituted*
6. Power to refuse or grant licence.-The licence shall be valid for the Excise year for which it is issued and shall require renewal annually. The application shalll be made to the Collector on or before February 28, every year for the renewal of the licence for the Excise year following. If there has been alteration in either plant or building fresh plans must be submitted. If there has been no alteration, a certificate to this effect from the officer-in-chanrge should be attached with the application for the renewal of the licence. A licence fee of Rs. 500/-(Rupees five hundred only) for a year or part thereof shall be payable in advance for such renewal.	**6. Power to grant licence.-**The licence shall be valid for the Excise year for which it is issued and shall require renewal annually. The application shalll be made to the Excise Commissioner on or before February 28, every year for the renewal of the licence for the Excise year following. If there has been alteration in either plant or building fresh plans must be submitted. If there has been no alteration, a certificate to this effect from the officer-in-chanrge should be attached with the application for the renewal of the licence. A licence fee of Rs. 50,000/-(Rupees Fifty thousand only) for a year or part thereof shall be payable in advance for such renewal.

Amendment of rule 7 **7.** In the said rules for rule 7 set out in Column-1 below, the rule as set out in Column-2 shall be substituted, namely :-

Column-1 *Existing rule*	Column-2 *Rule as hereby substituted*
7.The licence fee shall be deposited in the Government Treasury at the time an application for grant or renewal of the licence is made and proof of such deposit shall be furnished to the Collector with the application.	**7.**The licence fee shall be deposited in the Government Treasury through e-payment mode at the time an application for grant or renewal of the licence is made and proof of such deposit shall be furnished to the Excise Commissioner with the application.

Amendment of rule 8 **8.**In the said rules,for rule 8 set out in Column-1 below, the clause as set out in Column-2 shall be substituted, namely :-

Column-1 *Existing rule*	Column-2 *Rule as hereby substituted*
8-Additional licences.-The vintner shall also obtain a bottling licence in Form F.L.3 for bottling of wine produced in his vintnery and a license in Form F.L.-1 or F.L.-2 for wholesale vend for the same.	**8-Additional licences.-**The vintner shall also obtain a bottling licence in Form F.L.3 for bottling of wine produced in his vintnery.

Amendment of rule 9 **9.** In the said rules, for rule 9 set out in Column-1 below, the rule as set out in Column-2 shall be substituted, namely:-

Column-1 *Existing rule*	Column-2 *Rule as hereby substituted*
9- Establishment charges of permanent staff –	**9- Establishment charges of permanent staff –**
(a) The Excise Commissioner may post to a vintnery such number of Excise peons as in his opinion the needs of the vintner may require.	(1)The Excise Commissioner may post to a vintnerythe excise staff of such rank and in such numbers as he thinks appropriate. In the case excise staff is not posted by the Excise Commissioner, the Excise Inspector of the concerned preventive circle shall be the in-charge of the vintnery.
(b) The pay of the peons, posted to a vintnery under sub-rule (1) shall be borne by the State Government; Provided the total amount on this account does not exceed ten per cent of the total excise duty realised on the issues of wines from the vintnery to the districts within the State. Where the total amount of the pay of the peons exceeds ten per cent of the total excise duty referred to above, the excess shall be realized from the vintners concerned.	(2)The pay of the excise staff posted to a vintnery under sub-rule(1) shall be borne by the State Government.

Amendment of rule 10 **10.** In the said rules, for rule 10 set out in Column-1 below, the rule as set out in Column-2 shall be substituted, namely:-

Column-1 *Existing rule*	Column-2 *Rule as hereby substituted*
10. Supply of quarters and office furniture – The vintner shall provide :-	**10. Supply of office furniture –** The vintner shall provide :-
(a) the peons posted at the vintnery under Rule 8, rent-free quarters in the vicinity of the vintnery ; and	**(a)deleted**
(b) the officer-in-charge of the vintnery, necessary accommodation in the vintnery to be used as office by him and suitable office furniture.	(b) the officer-in-charge,necessary accommodation in the vintnery to be used as office by him along with suitable office furniture and stationery.

Amendment of rule 11 **11.** In the said rules, for rule 11 set out in Column-1 below, the rule as set out in Column-2 shall be substituted, namely:-

Column-1 *Existing rule*	Column-2 *Rule as hereby substituted*
11- Supervising Staff.- The vintnery shall, a week prior to the date on and from which wine is proposed to be manufactured intimate the collector of his intension so to do whereupon the Collector shall depute an Excise Inspector for supervising gthe initial operation of wine manufactured	**11- Supervising Staff.-**The initial operation of wine manufacturing shall be carried out after giving information to this effect to the the officer-in-charge. The officer-in-charge may be present in the vintnery during initial operations of wine manufacturing.

Amendment of rule 13 **12.** In the said rules, for rule 13 set out in Column-1 below, the rule as set out in Column-2 shall be substituted, namely:-

Column-1 *Existing rule*	Column-2 *Rule as hereby substituted*
13.General outlay of building.-The vintnery building shall have brick walls and a roof of fire-resisting materials. It shall consist of a fermentation room, a bottling room and at least one store room for finished preparations. All the rooms shall be well-ventilated and all the windows shall be securely barred and wire netted with a net of not more than on inch mesh. Every room shall bear on the outside, aboard on which shall be legibly painted, in oil colour, the name of the room. The bottling room and store room for finished preparations shall have but one entrance each and shall be separately locked by the officer-in-charge and the vintner.	**13.General outlay of building.-**The **vintnery building shall consist of a** fermentation room, a bottling room and at least one store room for finished preparations. All the rooms shall be well-ventilated and all the windows shall be securely barred and adequately wire netted. Every room shall bear on the outside, aboard on which shall be legibly painted, the name of the room. The bottling room and store room for finished preparations shall have but one entrance each and shall be separately locked by the vintner.

Amendment of rule 14

13. In the said rules, for rule 14 set out in Column-1 below, the rule as set out in Column-2 shall be substituted, namely:-

Column-1 *Existing rule*	Column-2 *Rule as hereby substituted*
14-Unauthorised alterations in building or fixtures not be made.-No additions and alterations to the vintnery or to the permanent fixtures therein shall be made without the previous sanction of the Excise Commissioner: Provided that minor additions and alterations urgently required may, on presentation of a fresh plan of the vintnery, be allowed by the Assistant Excise Commissioner concerned subject to the subsequent approval of the Excise Commissioner.	**14-Unauthorised alterations in building or fixtures not be made.-**No additions and alterations to the vintnery or to the permanent fixtures therein shall be made without the previous sanction of the Excise Commissioner: Provided that minor additions and alterations urgently required may, on presentation of a fresh plan of the vintnery, be allowed by the District Excise Officer concerned subject to the subsequent approval of the Excise Commissioner.

Amendment of rule 16

14. In the said rules, for rule 16 set out in Column-1 below, the rule as set out in Column-2 shall be substituted, namely:-

Column-1 *Existing rule*	Column-2 *Rule as hereby substituted*
16- Twenty four hours notice necessary: Extra charges for overtime work.- (a) The vintner shall not keep the vintnery open for more than eight hours on any working day, or between sunset and sunrise except with the prior permission of the officer-in-charge. (b) The vintner shall give in writing to the officer-in-chjarge at least twenty four housrs' notice of his intention to keep the vintnery open for work beyond the normal eight working hours on any working day or days, stating clearly therein the operation to be carried out. Such a notice shall also be necessary for work to be done on any approved holiday. (c) The vintner shall have to pay such overtime charges for work done on an approved holiday as the Excise Commissioner may prescribe.	**16- Omitted.**

Amendment of rule 17

15. In the said rules, for rule 17 set out in Column-1 below, the rule as set out in Column-2 shall be substituted, namely:-

Column-1 *Existing rule*	Column-2 *Rule as hereby substituted*
17-Maintenance of accounts.-The vintner shall maintain a correct account of all the materials used in the manufacture of wine, itemwise, together with the total quantity(in Imperial gallons) of the resultant liquor with its specific gravity taken by means of a glass saccharometer, in a register to be maintained by him, and signed by him which should also be signed by the officer-in-charge.	**17**. **Maintenance of accounts.-**The vintner shall maintain a correct account of all the materials used in the manufacture of wine, itemwise, together with the total quantity (in Litres) of the resultant liquor with its specific gravity taken by means of a glass saccharometer**or** by any suitable electronic device, in a register to be maintained by him, and signed by him which should also be signed by the officer-in-charge.

Amendment of rule 20

16. In the said rules, for rule 20 set out in Column-1 below, the rule as set out in Column-2 shall be substituted, namely:-

Column-1 *Existing rule*	Column-2 *Rule as hereby substituted*
20- Finished wine to be sealed by the officer-in-charge – The vintner shall request the Collector to direct the officer-in-charge to be present on the date of the transference of strained liquid to the storage receptacle which should be capable of being properly sealed by the officer-in-charge. The bulk and the final specific gravity of the fermented must shall be recorded after straining by the vintner in the register which will be maintained and signed by him and also by the officer-in-charge.	**20- Finished wine to be sealed by the officer-in-charge –** The vintner shall inform the officer-in-charge about the date of the transference of strained liquid to the storage receptacle which should be capable of being properly sealed by the officer-in-charge. The bulk and the final specific gravity of the fermented must shall be recorded after straining by the vintner in the register which will be maintained and signed by himand also by the officer-in-charge.

Amendment of rule 21

17. In the said rules, for rule 21 set out in Column-1 below, the rule as set out in Column-2 shall be substituted, namely:-

Column-1 *Existing rule*	Column-2 *Rule as hereby substituted*
21.Power of Excise Commissioner to fix alcoholic strength discretionary – The Excise Commissioner may if he deems it necessary, fix normal alcoholic strengths and allowable margins for the wines to be manufactured.	**21.Power of Excise Commissioner to fix alcoholic strength discretionary –** Range of alcohol percentage in the wine shall be between 12 to 24% V/V without any addition of alcohol. If any vintner wishes to manufacture wine of strength higher or lower than the above mentioned range, he will seek special permission from the Excise Commissioner.

Amendment of rule 22

18. In the said rules, for rule 22 set out in Column-1 below, the rule as set out in Column-2 shall be substituted, namely:-

Column-1 *Existing rule*	Column-2 *Rule as hereby substituted*
22-Samples for analysis-The officer-in-charge shall take two samples of the young wine in quart bottles in the presence of the vintner or his agent and after duly sealing the same deposit one with the Collector and send the other to the Chemical Examiner to the Government, Uttar Pradesh, Agra, for reports as to its real alcoholic strength, and as to whether the wine is sparkling or of the other variety. The vintner shall pay the packing charges, freight and the examination fee of the samples sent to the Chemical Examiner.	**22-Samples for analysis**-The officer-in-charge shall take two samples of the young wine in quart bottles in the presence of the vintner or his agent and after duly sealing the same deposit one with the concerned District Excise Officer and send the other to the concerned excise laboratory, for reports as to its potability, real alcoholic strength, and as to whether the wine is sparkling or of the other variety. The vintner shall pay the packing charges, freight and the examination fee of the samples sent to the excise laboratory. The vintner may take samples for examination by his own laboratory : Provided that if the examination report is not received within 7 days of receipt of the sample of young wine by the laboratory, the sample shall be deemed to be approved : Provided further that no fee for the chemical examination shall be levied from the vintner for 5 years from the year of start of operation of the vintnery.

Amendment of rule 23

19. In the said rules, for rule 23 set out in Column-1 below, the rule as set out in Column-2 shall be substituted, namely:-

Column-1 *Existing rule*	Column-2 *Rule as hereby substituted*
23- Wine to be released on being certified by the Chemical Examiner and after payment of duty – The young wine shall remain in a receptacle, sealed by the officer-in-charge and shall be released after the Chemical Examiner's report is received and the duty on the sealed wine is deposited in the headquarters treasury. The amount of duty deposited together with the number and the date of treasury challan shall be recorded, under the signatures of the Inspector together with the date of release of the wine.	**23- Wine to be released on being certified by the excise laboratory and after payment of consideration fee –**The young wine shall remain in a receptacle, sealed by the officer-in-charge and shall be released after the chemical report from concerned excise laboratory is received or 7 daysafter the receipt of the sample by the laboratory have lapsed whichever is earlier and the consideration fee on the sealed wine as prescribed from time to time by the State Governmenthas been deposited in the treasury through e-payment mode. The amount of consideration fee deposited together with the number and the date of treasury challan shall be recorded, under the signatures of the officer in-charge together with the date of release of the wine.

Amendment of rule 24

20. In the said rules, for rule 24 set out in Column-1 below, the rule as set out in Column-2 shall be substituted, namely:-

Column-1 *Existing rule*	Column-2 *Rule as hereby substituted*
24- Rates of duty – Duty on the quantity of wine to be released shall be payable at the rates given against item 6 of Appendix B-II of Volume II of the Excise Manual. The quantity of the wine to be released at one time shall not be less than 5 Imperial gallons. If duty-paid brandy or any neutral spirit is added for the purpose of fortification of young wine the duty is to be levied on the bulk of the wine before such addition.	**24- Rates of consideration fee –** Consideration fee and or any other type of consideration fee on the quantity of wine to be released shall be payable at the rates notified by the Uttar Pradesh Government from time to time : Provided that no consideration fee shall be levied from the vintner for 5 years from the year of start of operation of the vintnery for manufacture of wine using flowers, vegetables, non narcotic herbs, grapes and other fruits grown in Uttar Pradesh : Provided furtherif any natural calamity like drought, flood or any other type of natural clamity occurs in the state affecting the crop of raw materials, vintner can import/procure flowers, vegetables, non narcotic herbs, grapes and other fruits from other state on the basis of the report to this effect from the District Collector of the concerned district where vintnery is installed : Provided also that if consideration fee paid brandy or any neutral spirit is added for the purpose of fortification of young wine, the exemption in consideration fee will not be applicable.

Amendment of rule 25 **21.** In the said rules, for rule 25 set out in Column-1 below, the rule as set out in Column-2 shall be substituted, namely:-

Column-1 *Existing rule*	Column-2 *Rule as hereby substituted*
25- Sale to be made under F.L.1 or F.L.2 licence only – the vintner may sell his duty paid wine to wholesale vendors in the State under F.L.1 or F.L.2 licences or to retain vendors (including F.L.15) under F.L.2 licence. All such sales shall be covered by a pass in Form F.L.36 issued by the vintner.	**25- Sale and Purchaseof Wine** –(1) Only the bottled wine shall be sold by the vintner.No bottled wine shall be sold by the vintner unless it's Maximum Retail Price has been approved by the Excise Commissioner. The vintner may sell his bottled wine to wholesalevendors as prescribed by the State Government in Uttar Pradesh after depositing all the applicable fees. All such sales shall be covered by a pass in Form F.L.36 issued by the vintner : Provided that the vintner may export his wine to the vendors out side U.P. holding the valid import permit issued from the Excise Department of the concerned State or Union Territory in accordance with relevant rules as amended from time to time : Provided further that vintner may sell the wine in retail in his vintnery premises after depositing a licence fee ofRs. 50,000 (Rupees Fifty thousand only) payable in advance for the Excise Year or part thereof for which the licence is grantedunder prescribed limits.Consumption of sold wineon the premises may be allowed by the vintner. Wine tavern may also be installed in the vintneryfor which a fee of Rs. 2,500 (Rupees Two thousand Five hundred only) payable in advance has been deposited for the Excise Year or part thereof for which permission is granted.where wine lovers can taste the wine : Provided also that no vintner shall open any hotel in the vintnery premises and if the vintner opens a hotel/restaurant in the vicinity of the vintnery premises he may sell his product to consumers in the said hotel only after obtaining a regular Bar License. (2) Intrastate intervintnery transfer (sale and purchase) of bulk wine in wooden or stainless steel barrels for blending purposes may be allowed by the permission of Excise Commissioner. Each such dispatch of wine in bulk will be made under PD-25 pass.

Amendment of rule 26

22. In the said rules, for rule 26 set out in Column-1 below, the rule as set out in Column-2 shall be substituted, namely:-

Column-1 *Existing rule*	Column-2 *Rule as hereby substituted*
26- Export to be made in accordance with the condition of licences in Form F.L. 1 or F.L. 2- Duty-paid wine may be exported by the vintner from his wholesale licensed premises (F.L. 1 or F.L. 2) to other States or Union territories in India. Such exports shall be covered by a pass in Form F.L.23 issued by the vintner.	**26- Omitted.**

Amendment of rule 28

23. In the said rules, for rule 28 set out in Column-1 below, the rule as set out in Column-2 shall be substituted, namely:-

Column-1 *Existing rule*	Column-2 *Rule as hereby substituted*
28- Bottling to be done under F.L. 3-Bottling of wine shall be carried on the wholesale premises of the vintner in accordance with the provisions of paragraph 645 of the Excise Mannual and conditions of licence in Form F.L.3	**28- Bottling to be done under F.L. 3-**Bottling of wine shall be carried in a separate room within the premises of the vintnery under F.L. 3 licence granted by the Excise Commissioner under U.P. Foreign Liquor Bottling Rules, 1969 as amended from time to time : Provided that the Excise Commissioner may give relaxations as he deems fit, in the conditions of F.L. 3 licence granted in favour of a vintnery.

Amendment of rule 29

24. In the said rules, for rule 29 set out in Column-1 below, the rule as set out in Column-2 shall be substituted, namely:-

Column-1 *Existing rule*	Column-2 *Rule as hereby substituted*
29- Bottling account to be maintained.-The vintner shall maintain accounts of such bottling operations in the form prescribed under condition no. 7 of the licnece in Form F.L.3.	**29- Bottling account to be maintained.-**The vintner shall maintain accounts of such bottling operations in the form prescribed under Uttar Pradesh Foreign Liquor Bottling Rules, 1969 as amended from time to time.

Amendment of rule 30

25. In the said rules, for rule 30 set out in Column-1 below, the rule as set out in Column-2 shall be substituted, namely:-

Column-1 *Existing rule*	Column-2 *Rule as hereby substituted*
30- Labelling of wine – The vintner shall not give any name to his wine which may give rise to any ambiguity or trade objection. He shall note on the labels of the containers of the wine "Made in India" and the name of his firm, the place of manufacture and the base from which the wine is manufactured.	**30- Labelling of wine –** No wine shall be sold in retail or wholesale or exported by the vintnery without obtaining approval for it's brand and label by the Excise Commissioner : Provided that the brand and label approval application shall only be entertained when the prescribed fee for the same has been deposited in the treasury through epayment mode.

Amendment of rule 31

26. In the said rules, for rule 31 set out in Column-1 below, the rule as set out in Column-2 shall be substituted, namely:-

Column-1 *Existing rule*	Column-2 *Rule as hereby substituted*
31- Liability of vintner for loss.- The vintner shall be held strictly responsible for the safe custody and accounting of all alcoholic liquid under fermentation or other process of manufacture, and of the finished wine at the licensed premises. He shall be liable to pay double the amount of duty on any loss or discrepancy in accounts which he is unable to explain any may be held further liable to penalty not exceeding Rs. 500 at the discretion of the Excise Commissioner. *N.B.-The licensee shall maintain a daily accurate account of all transactions(including bottling) of the finished and unfinished wine.*	**31-Liability of vintner for loss.-** The vintner shall be held strictly responsible for the safe custody and accounting of all alcoholic liquid under fermentation or other process of manufacture, and of the finished wine at the licensed premises. He shall be liable to pay the penalty not exceeding Rupees one lac at the discretion of the Excise Commissioner along with the applicable fees on the loss of wine. The licensee shall maintain a daily accurate account of all transactions(including bottling) of the finished and unfinished wine.

Amendment of rule 34

27. In the said rules, for rule 34 set out in Column-1 below, the rule as set out in Column-2 shall be substituted, namely:-

Column-1 *Existing rule*	Column-2 *Rule as hereby substituted*
34- Only authorised persons to be allowed in the premises – The names of all persons engaged in the manufacture and disposal of wine shall be duly endorsed on the licence, on approval of the Collector.	**34- Only authorised persons to be allowed in the premises –** The names of all persons engaged in the manufacture and disposal of wine shall be duly endorsed on the licence, on approval of the District Excise Officer : Provided that visitors may be allowed under strict supervision of vintnery staff. A register shall be also maintained in which name, address and mobile number of visitors shall be recorded by the vintner.

Amendment of Forms V-1, V-2, V-3, V-4

28. In the said rules, for the Forms V-1, V-2, V-3 and V-4, as set out in Column-1 below, the Forms as set out in Column-2 shall be substituted namely:-

Column-1 *Existing Forms*	Column-2 *Forms as hereby substituted*
Form V-1 [See Rule 4(2)] Licence to establish a Vintnery Name of the licence holder/s.....	**Form V-1** [See Rule 4(2)] Licence to establish a Vintnery Name of the licence holder/s.....

Form V-1

[See Rule 4(2)]

Licence to establish a Vintnery

Licence is hereby granted to ....resident/s of ..... on behalf of .....on payment of a licence fee of Rs.2,500(Rupees Two thousand and five hundred only) authorising him/them to establish and construct a vintnery at..... in the district of .....subject to the provisions contained in the U.P. Vintnery Rules, 1961 and to such other rules as may from time to time be made by the Excise Commissioner,U.P. for the security of excise revenue and for regulating the manufacture of wine. The infraction of any of the rules herein before enumerated or of conditions specified below shall involve forfeiture of licnece in addition to such other penalties as may be prescribed under theU.P.Excise Act, 1910 .

The licence shall be valid for the period of one year from.....(the date of issue of this licence).

The vintner shall apply to the Excise Commissioner atleast thirty days before the expiry of this licence for an extension of the term of this licence.

Conditions

1. The vintnery building shall have brick wall and roof of fire resisting material and shall consist of rooms etc., in accordance with the specifications laid down and approved by the Excise Commissioner, Uttar Pradesh and subject to the provisions of rule 13 of the U.P. Vintnery Rules, 1961 and no alteration in the building or fixtures shall be made without his prior approval.

Form V-1

[See Rule 4(2)]

Licence to establish a Vintnery

Licence is hereby granted to Mr./Mrs./Miss/..... ..... resident of .....on behalf of .....(Name of Firm/Company etc.)..... authorising him/her/them to establish and construct a vintnery at..... .... in the district of .....Uttar Pradesh subject to the provisions contained in the U.P. Vintnery Rules, 1961(as amended) and to such other rules as may from time to time be made by the Excise Commissioner, U.P. for the security of excise revenue and for regulating the manufacture of wine. The infraction of any of the rules herein before enumerated or of conditions specified below may attract cancellation of the licence and forfeiture of security in addition to such other penalties as may be prescribed under the U.P.Excise Act, 1910 (as amended).

The licence shall be valid for the period of one year from the date of issuance of this licence.

The vintner shall apply to the Excise Commissioner atleast thirty days before the expiry of this licence for an extension of the term of this licence.

Conditions

1. The vintnery building shall consist of rooms etc., in accordance with the specifications laid down and approved by the Excise Commissioner, Uttar Pradesh and subject to the provisions of rule 13 of the U.P. Vintnery Rules, 1961 and no alteration in the building or fixtures shall be made without his prior approval.

Conditions

2. The vintner shall install and maintain such vessels in the vintnery , duly numbered, which are according to the specifications prescribed by the Excise Commissioner for the manufacture, etc., of wine.

ALLAHABAD

Dated.....

Excise Commissioner,

Uttar Pradesh

Form V-2

[See Rule 5(1)]

Licence to manufacture wine in a licensed Vintnery

Name of the licence holder/s.....

Licence is hereby granted to resident/s of ..... on payment of a licence fee of Rs.500(Rupees five hundred only)authorising him/them (1) to manufacture wine in the premises situated at ....and (2) to use, keep or have in his /their possession any material, still, utensil. implement or apparatus whatsoever for the purpose of manufacturing wine, as previously approved by the Excise Commissioner, U.P., subject to the provisions contained in the U.P. Vintnery Rules, 1961and to such other rules as may from time to time be made by the Excise Commissioner, U.P. for the security of excise revenue and for regulating the manufacture, sale, supply and price of wine. The infraction of any of the rules herein before enumerated or of conditions specified below shall involve

forfeiture of licence in addition to such other penalties as may be prescribed under U.P.Excise Act, 1910 .

This licence shall be valid for the Excise Year.

The vintner shall apply to the Collector on or before February, 28 in each year for the renewal of his licence for the Excise year following.

Conditions

2. The vintner shall install and maintain such vessels in the vintnery , duly numbered, which are according to the specifications prescribed by the Excise Commissioner for the manufacture, etc., of wine.

Prayagraj

Dated.....

Excise Commissioner,

Uttar Pradesh

Form V-2

[See Rule 5(1)]

Licence to manufacture wine in a Vintnery

Licence is hereby granted to Mr./Mrs./Miss/..... .. resident of .....on behalf of .....(Name of Firm/Company etc.).....authorising him/them (1) to manufacture wine in the premises situated at ....in the district of .....Uttar Pradesh and (2) to use, keep or have in his /their possession any material, still, utensil. implement or apparatus whatsoever for the purpose of manufacturing wine, as previously approved by the Excise Commissioner, U.P., subject to the provisions contained in the U.P. Vintnery Rules, 1961(as amended) and to such other rules as may from time to time be made by the Excise Commissioner, U.P. for the security of excise revenue and for regulating the manufacture, sale, supply and price of wine. The infraction of any of the rules herein before enumerated or of conditions specified below may attract cancellation of the licence and forfeiture of security in addition to such other penalties as may be prescribed under U.P.Excise Act, 1910 (as amended).

The licence shall be valid for the current Excise Year. .....

The vintner shall apply to the Excise Commissioner on or before February, 28 in each year for the renewal of his licence for the Excise year following.

Conditions

1. The vintner shall use only such materials for manufacturing wines which have been previously approved by the Excise Commissioner, Uttar Pradesh and shall maintain such vessels in the vintnery, duly numbered, which are according to the specifications prescribed by the Excise Commissioner for the manufacture etc. of wine.

2. The vintner shall deposit as security a sum of Rs.2,500(Rupees two thousand five hundred only) in Government Promissory Notes or Government Securities of equivalent market value for due fulfilment of relevant rules and all conditions of licence. The notes or other securities shall be endorsed to the Collector of the district by designation.

3. On the event of default or breach of any of conditions or non-observance of any rule referred to above, the security deposit made in accordance with the last preceeding condition shall vest in this State Government and not be reclaimed by the vintner.

4. The vintner shall allow all Excise Officers of or above the rank of an Excise Inspector to visit the vintnery at all hours of day and night, to inspect the premises to check the accounts and pass books and measure finished and unfinished wines ascertain their specific gravity.

5. The names of all persons engaged in the manufacture and disposal of wine shall be duly endorsed on the licence, on approval of District Excise Officer.

District.....

Dated.....

Collector

Form V-3

[See Rule 3]

Application to establish a Vintnery

1. (a) Name and address of the applicant
   (b) Name and address of undertaking
   (c) whether public/private Ltd. or proprietory concern;
2. Capital Structure:
   (a) In case of limited company
      (i) authorised
      (ii) issued
      (iii) paid up
      (iv) borrowings, if any

Conditions

1. The vintner shall use only such materials for manufacturing wines which have been previously approved by the Excise Commissioner, Uttar Pradesh and shall maintain such vessels in the vintnery, duly numbered, which are according to the specifications prescribed by the Excise Commissioner for the manufacture etc. of wine.

2. On the event of default or breach of any of conditions or non-observance of any rule referred to above, orders or circulars issued by the Excise Commissioner licence may be cancelled along with forfeiture of security and other penalties as may be prescribed under U.P.Excise Act, 1910 (as amended).

3. The vintner shall allow all Excise Officers of or above the rank of an Excise Inspector to visit the vintnery at all hours of day and night, to inspect the premises to check the accounts and pass books and measure finished and unfinished wines ascertain their specific gravity and also to verify the bottled stock of wines.

4. The names of all persons engaged in the manufacture and disposal of wine shall be duly endorsed on the licence, on approval of District Excise Officer.

District.....

Dated.....

Excise Commissioner
Uttar Pradesh

Form V-3

[See Rule 3]

Application to establish a Vintnery

1. (a) Name and address of the applicant/firm or company
   (b) Type firm/company(public/private/prorietory etc.)
2. Capital Structure:
   (a) In case of limited company
      (i) authorised
      (ii) issued
      (iii) paid up
      (iv) borrowings, if any

(b) In case of others

(i) capital

(ii) borrowings, if any

(c) Details of investment:

(I) Fixed assets

(i) land Rs.

(ii) buildings Rs.

(iii) plant and machinery Rs.

(iv) others, if any Rs.

Total Rs.

(II) Working Capital Rs.

3. Location

4. Plant and machinery

(i) Value of plant and machinery to be imported or of imported origin Rs

(ii) Value of plant and machinery of indigenous origin Rs.

5. Raw materials required for production

(i) Quantity and value of raw material to be imported or of imported origin per year.

(ii)Quantity and value of raw material of indigenous origin per year.

(iii) Quantity and value of the fruitsrequired per year in the manufacture of the wine proposed to be manufactured.

(iv) Whether it is proposed to procure fruitsfrom private sources without the aid of the government.

6. Water and power requirements:

(i) Particulars of requirements,

(ii) Whether necessary permission has been secured.

(b) In case of others

(i) capital

(ii) borrowings, if any

(c) Details of investment:

(1) Fixed assets

(i) land Rs.

(ii) buildings Rs.

(iii) plant and machinery Rs.

(iv) others, if any Rs.

Total Rs.

(2) Working Capital Rs.

3. Location

4. Plant and machinery

(i) Value of plant and machinery to be imported or of imported origin Rs

(ii) Value of plant and machinery of indigenous origin Rs.

5. Raw materials required for production

(i) Quantity and value of raw material to be imported or of imported origin per year.

(ii)Quantity and value of raw material of indigenous origin per year.

(iii) Quantity and value of the fruitsetc. required per year in the manufacture of the wine proposed to be manufactured.

(iv) Whether it is proposed to procure fruits etc. from private sources without the aid of the government.

6. Water and power requirements:

(i) Particulars of requirements,

(ii) Whether necessary permission has been secured.

7. Process:
(a) Brief process of manufacture.

(b) Standard and quantity of products proposed to be manufactured.

8. Technical Assistance:

Whether any foreign collaboration or know-how is envisaged and if so the foreign exchange involved.

9. Forecast of time factors:

(a) Time required to secure land, buildings and other accommodation after V-1 licence is issued.

(b) Time required to erect machinery and start production after this licence is granted.

10.	Item of manufacture	Annual Capacity (in metric measures)	Capacity value	Estimated annual production

11. Employment potential:

(i) Supervisory

(ii) Skilled

(iii) Un-skilled

12. (a)Any special facilities required from Government

(b) Special features, if any, of the scheme.

Signature of the applicant

with date.

7. Process:
(a) Brief process of manufacture.

(b) Standard and quantity of products proposed to be manufactured.

8. Technical Assistance:

Whether any foreign collaboration or know-how is envisaged and if so the foreign exchange involved.

9. Forecast of time factors:

(a) Time required to secure land, buildings and other accommodation after V-1 licence is issued.

(b) Time required to erect machinery and start production after this licence is granted.

10.	Item of manufacture	Annual Capacity (in litres)	Capacity value	Estimated annual production

11. Employment potential:

(i) Supervisory

(ii) Skilled

(iii) Un-skilled

12. (a)Any special facilities required from Government

(b) Special features, if any, of the scheme.

Signature of the applicant

with date.

Form V-4

[See Rule 5(2)]

Application for grant of a licence in Form V-2 under rule 5(i) of the Uttar Pradesh Vintnery Rules, 1961

To,

The Excise Commissioner,

Uttar Pradesh.

Allahabad

Through

The Collector

Dated.....at

Application of .....

resident of .....for the grant of licence in form V-2.

(1) The undersigned.....for himself/acting on behalf of..... beg to apply for a licence to work a Vintnery under rule ..... of the the U. P. Vintnery Rules, 1961 at ..... in the district of.....Uttar Pradesh.

(2) The applicant desires to work fermenting vessels etc., of the following size and description, namely.

(3) In the event of a licence being granted, the applicant proposes to commence working at the vintnery on the.

(4) Plans and statements of the premises and buildings to be used as a vintnery and for Store-houses and other purposes connected with the business of manufacturing wines are annexed for approval. The applicant undertakes to erect buildings and to make all the necessary structural or other alterations and additions to the premises and buildings which the government may from time to time approve or direct and in all respect to conform to the Excise Commissioner's directions as to maintenance of the premises and buildings in a proper state in regard both to the repair and conditions of the premises and the buildings and their sanitation and suitability to the purpose ofvintnery under the rules in that behalf for the time being in force.

Form V-4

[See Rule 5(2)]

Application for grant of a licence in Form V-2 under rule 5(1) of the Uttar Pradesh Vintnery Rules, 1961(as amended) to work a Vintnery

To,

The Excise Commissioner,

Uttar Pradesh.

Through

The Collector

District.....

Application of .....(name of the firm/company etc).....through Sri.....resident of ....for the grant of licence in form V-2.

(1) The undersigned..... for himself/acting on behalf of..... beg to apply for a licence to work a Vintnery under rule 5(2) of the the Uttar Pradesh Vintnery Rules, 1961(as amended) at .....in the district of.....Uttar Pradesh.

(2) The applicant desires to work fermenting vessels etc., established under licence in Form V-1 no.....dated.....granted by U.P. Excise Department.

(3) In the event of a licence being granted, the applicant proposes to commence working at the vintneryon .....

(4) Plans and statements of the premises and buildings to be used as a vintnery and for Store-houses and other purposes connected with the business of manufacturing wines are annexed for approval. The applicant undertakes to erect buildings and to make all the necessary structural or other alterations and additions to the premises and buildings which the government may from time to time approve or direct and in all respect to conform to the Excise Commissioner's directions as to maintenance of the premises and buildings in a proper state in regard both to the repair and conditions of the premises and the buildings and their sanitation and suitability to the purpose ofvintnery under the rules in that behalf for the time being in force.

(5) The applicant undertakes to comply in all respects with (a) the provisions of the vintnery rules applicable to the vintnery or its working or possession and (b) the conditions which may be entered in the licence applied for.

(6) A certificate from the municipality or other local authority to the effect that there are no objections on sanitary grounds to the carrying on of the business of manufacturing wine in the locality and in the premises and buildings proposed, is attached.

(7) Any further plans, estimates or information required will be promptly supplied.

(8) The applicant/s is/are ready and wiling to deposit the sum of Rs.2,500(Rupees two thousand and five hundred only) as security for the due performance by him/them of each and all of the requirements of the Vintnery Rule of the licence.

.

Signature of the Applicant
With date

(5) The applicant undertakes to comply in all respects with (a) the provisions of the vintnery rules applicable to the vintnery or its working or possession and (b) the conditions which may be entered in the licence applied for.

(6) A certificate from the municipality or other local authority to the effect that there are no objections on sanitary grounds to the carrying on of the business of manufacturing wine in the locality and in the premises and buildings proposed, is attached. A NOC issued from the U.P. Pollution Control Board is also attached herewith.

(7) Any further plans, estimates or information required will be promptly supplied.

(8) The applicant has deposited the licence fee vide challan no. ..... dated..... and security vide NSC/FDR no.....
dated..... The original copies of the above mentioned challan and NSC are attached herewith.

Encl: As above.

Signature of the Applicant
With date

SENTHIL PANDIAN C.
Excise Commissioner,
Uttar Pradesh.

पी0एस0यू0पी0–33 असाधारण गज़ट–30.03.2022–502 प्रतियां (डी0टी0पी0/आफसेट)।